#104

ક. સં ૫૦૬૨

વિ. સં ૨૦૪૨

શ. સં

ઈ. સં. ૧૯૮૫-૮૬

विक्रमी सम्वत् २०४२

सप्त० सं० ५०६१

भविष्यवाणी

ई० सं० १९८५-८६



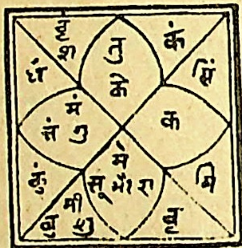
संसार

राजा बृहस्पति देवता, **मन्त्री** शनि देवता,
धान्य के स्वामी सूर्य देवता, सस्य के स्वामी भौमदेवता
फलों के स्वामी शुक्र देवता, रस के स्वामी बृहस्पति देवता
धातु के स्वामी भौम देवता, मेघ के स्वामी शनि देवता
रक्षा के स्वामी शनि देवता धन के स्वामी भौम देवता
वर्ष का वाहन नौका, वर्ष का नाम बहुधान्य
वसन्त का वाहन गेंडा, वर्षा भगवती दौवारिका
(चौकीदारिन), काश्मीर वर्ष लग्न कर्क,
भारत स्वतंत्र वर्ष लग्नमकर, अषाढ़ नवमी गुरुवार को
सम्वत् विक्रमी २०४२, सप्तर्षि सम्वत् ५०६१।
ईसवी १९८५-८६

ज्योतिष फलित में बृहस्पति शुभग्रहों में विशेष प्रभावशाली ग्रह माना जाता है। ऐसे ही क्रूर ग्रहों में भी शनि महत्वपूर्ण स्णान रखता है, इस वर्ष इन्हीं दो प्रभावशाली ग्रहों ने क्रमश: राजपद तथा मंत्रीपद को संभाला है. यह दोनों ग्रह परस्पर विरुद्ध स्वभाव के हैं, जहां बृहस्पति शान्तिप्रिय देवता है वहां शनि अशान्ति का प्रतीक है, जहां बृहस्पति इस वर्ष विश्वशान्ति की चेतावनी देता है, वहां शनि उसके विपरीत विश्व अशान्ति को सूचित करता है, एक ओर से बृहस्पति के प्रभाव से शान्तिप्रिय देश विश्वशान्ति बनाये रखने में प्रयत्नशील रहेंगे दूसरी ओर कई इच्छुक देश नवीनतम अस्त्रशस्त्रों की होड़ में लगे रहने से संसार के वातावरण को नष्टभ्रष्ट करने पर कटिबद्ध रहेंगे, सारांश यही है, यह वर्ष राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से ससार के लिए डांवाडोल स्थिति का होगा, बृहस्पति के प्रभाव से यद्यपि इस वर्ष सार्वभौम युद्ध का योग नही है, परन्तु शनि जो पश्चिम दिशा का स्वामी है जिसने इस वर्ष दस अधिकारों में से तीन महत्वपूर्ण अधिकार (1) मंत्री, (2) रक्षा. (3) तथा मेघ अपने हाथ में लिये हैं, जिसके

फलस्वरूप पश्चिम एशिया विशेषतया मुस्लिम देश ईरान, इराक, तुर्की, लेबनान, सीरीया और फिलस्तीन आदि अरब देश अधिक प्रभावित होंगे, मुस्लिम देशों में आपसी टकराव अथवा युद्ध से असंख्य धन जन का नाश होगा। पृथ्वी खून से रंगी जायेगी, जनता मे हिंसा की भावना में वृद्धि होगी, दैवी उत्पात, स्थलीय, जलीय तथा आकाशीय उत्पात होते रहेंगे, जगत् लग्न की ग्रहस्थिति को दृष्टि में रखते हुए यही प्रतीत होता है, इस वर्ष सभी देश किसी न किसी उलझन में उलझे रहेंगे, हर ओर अशान्ति का वातावरण बना रहेगा, परन्तु सार्वभौम युद्ध का कोई योग नहीं है ॥

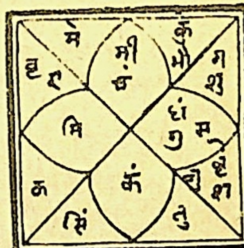
२०४२ वि. जगल्लग्न





(भारत)

श्री राजीव गांधी—



श्री राजीव गांधी जिस समय नेता चुने गये उस समय ग्रहों की स्थिति कैसी थी और उन ग्रहों का प्रभाव भारत के प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी पर कैसा होगा ज्योतिष कलित के आधार से निम्नलिखित है—

सूर्य, चन्द्र, बुध, बृहस्पति और शुक्र यह सभी ग्रह हर्षित-अवस्था में थे, यानी यह सभी ग्रह खुशियां मना रहे थे, ऐसे ही सूर्य आदि ग्रह क्रमशः केन्द्र त्रिकोण तथा ग्यारहवें भाव में ठहरे थे, यह शुभयोग प्रधानमंत्री राजीव गांधी तथा भारत के लिए शुभ संदेश है. इस शुभयोग के प्रभाव से राजनैतिक क्षेत्र मे भारत का नया दौर आरम्भ होगा. भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा, देश में स्वच्छ और सुदृढ़ प्रशासन लागू करने, जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने तथा देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने में सरकार प्रयत्नशील रहेगी, सातवीं पंचवर्षीय योजना श्री राजीव गांधी के हाथों से ही लक्ष्य तक पहुंचेगी, पंजाब संकट की जटिल समस्या बहुत हद तक हल होगी, जिससे जनता को शान्ति का सांस लेने का अवसर मिलेगा, देश के हर विभाग को योजनाबद्ध ढंग से तेजी और ईमान-

(भारत)

दारी से चलाने में सरकार की नीति सुदृढ़ होगी, भाषाई साम्प्रदायिक तथा प्रदेशों की समस्याएं हल करने में सरकार की नीति सख्त से सख्त होगी, बिजली पानी आदि की दशा को सुचारु तथा सुयोग्य बनाने के निमित्त नये-नये प्रोजेक्ट चालू किये जायेंगे, घरेलू उद्योग धन्धों को बढ़ावा देने के ओर सरकार विशेष ध्यान देगी, रुके हुए अथवा बन्द पड़े छोटे-बड़े कारखानों को फिर से चालू करने के लिए सरकार कर्जे आदि देने की स्कीमों को आसान तथा सुलभ बनायेगी, हर प्रदेश के साथ सरकार का तालमेल बना रहेगा, भौम बारहवां होने से आर्थिक संकट से कई प्रोजेक्ट अथवा कई स्कीमें तेजी से चालू करने में बाधा पड़ेगी, परन्तु अन्त में सामूहिक रूप से आर्थिक संकट पर काबू पाने में सरकार सफल रहेगी।

इस वर्ष जहां बृहस्पति अनुकूल है वहां दूसरी ओर शनि का मंत्री होना ज्योतिषफलित से हानिकारक माना जाता है, इस अशुभ योग के प्रभाव से प्रधानमंत्री को एक क्षण मात्र भी शान्ति का सांस लेने का अवसर नहीं मिलेगा, वर्तमान सरकार के लिए यह वर्ष अग्नि-परीक्षा का है. सीमा झगड़ों की अधिकता होगी, पाकिस्तान के सम्बन्ध बनते बिगड़ते रहेंगे. कश्मीर की राजनैतिक समस्याएं समाप्त करनी सरकार के लिए अशान्ति का कारण बनेगी, दैवीय दुर्घटनाएं, वायुयान, रेल तथा ट्रांसपोर्ट आदि की दुर्घटनाएं नित्य-प्रति सुनने में आयेंगी, हथियारों की दौड़ को रोकने के बड़े-बड़े सम्मेलन होने पर भी भारत जैसा—शान्ति प्रिय देश भी हथियारो का संचय करने में लगा रहेगा. वर्तमान सरकार की विदेशनीति में यद्यपि कोई तबदीली होगी नहीं भी, तो भी मुस्लिम देशों के सम्बन्ध में ढील आयेगी, पश्चिमी देशों की अपेक्षा पूर्वीय तथा उत्तरीय देशों की ओर भारत का झुकाव अधिक होगा. खाद्य पदार्थों की उपज में निश्चित किये हुए लक्ष्य में किसी प्रकार की कमी नहीं होगी, वर्षा की बेढ़ंगी चाल से अन्न का बहुत सा भाग नष्ट होने पर भी सामूहिक रूप से अन्न का उत्पादन सन्तोषजनक होगा।

पाकिस्तान

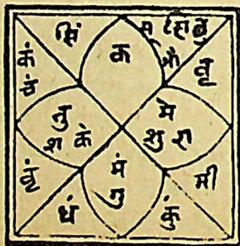
जुलाई के अन्त तक शनि वक्र गति में चलेगा, जून मास के आरम्भ में वक्री होकर तुलाराशि में आयेगा, यह योग पाकिस्तान के लिए जिसकी प्रभावित राशि कन्या है बहुत ही हानिकारक है, वर्ष के आरम्भ के चार मासों में पाकिस्तान में धन-जन का नाश होगा, अप्रैल मई, जून, जुलाई, अगस्त में पाकिस्तान सरकार तथा जनता को भयंकर दुर्घटनाओं से दुचार होगा. सितम्बर में शनि फिर से वृश्चिक राशि में आयेगा, जिसके फलस्वरूप सितम्बर से पाकिस्तान सरकार तथा जनता को शान्ति का सांस लेने का अवसर मिलेगा, भारत के साथ सम्बन्ध बनते बिगड़ते रहेंगे।

काश्मीर

जगत्, लग्न तथा काश्मीर वर्ष लग्न ग्रहचाल को दृष्टि में रख कर ज्योतिष फलित के आधार से विदित होता है कि वर्तमान सरकार तथा विरोधी ग्रुप का आपसी टकराव काश्मीर के वातावरण को नष्ट कर देगा, नित्य प्रति दंगेफसाद, हुल्लड़बाजी, गुंडागर्दी, भयंकर दुर्घटनायें होने से जनता में अविश्वास तथा अशान्ति होगी, वर्तमान सरकार की डगमगाती दशा को देखकर केन्द्रीय सरकार के हस्ताक्षेप से राजनैतिक क्षेत्र में ऐसा परिवर्तन होगा जिससे काश्मीर के भाग्य का नया दौर आरम्भ होगा।

धान्य का स्वामी सूर्य का होना यद्यपि धान्य के उपज के लिए हानिकारक योग है फिर भी आद्रा प्रवेश लग्न में सूर्य का पहले भाव में होना उत्तम माना गया है, इस मिले-जुले योग के प्रभाव से वर्ष के प्रारम्भ पर धान्य के काश्त में मौसमी हालात अनुकूल नहीं होंगे, वर्षभर पानी की कमी रहेगी जिससे किसान भी परेशान रहेगें, श्रावण तथा भाद्र में बाढ़ की संभावना है, आश्विन तथा कार्तिक मास में मौसमी हालात अनुकूल रहने से सामूहिक रूप से अन्त में धान्य की उपज सन्तोषजनक ही होगी—

२०४२ काश्मीर वर्ष चक्र



सस्य के स्वामी भौम देवता होने से सस्य सम्बन्धित किया हुआ किसानों का परिश्रम निष्फल होगा।

फलों के स्वामी शुक्र देवता होने से फलों की अधिकता होगी, रस के स्वामी बृहस्पति होने से फल रस से पूर्ण होंगे, फलों की अधिकता होने पर भी भाव स्थाई न रहने से व्यापारी वर्ग परेशान रहेगा, उनको इच्छानुसार लाभ नहीं होगा, खुशक मेवा, अखरोट, बादाम आदि की अधिकता होगी भाव में दिनोंदिन उछाला आता रहेगा, खुशक फलों के व्यापारी लाभ में रहेंगे।

वर्ष के आरम्भ के चार मास तक फलों की खरीद फरोख्त करने वाले लाभ में, मध्य के चार मासों में क्रय-विक्रय करने वाले घाटे में, और अन्तिम चार मासों में लेनदेन करने वाले व्यापारी लाभ में ही रहेंगे।

शुक्र देवता सुगन्धित वस्तुओं के भी स्वामी माने गये हैं, इसलिए केसर की काश्त करने वाले लाभ में रहेंगे और केसर की बहुततात होगी।

वर्षा के स्वामी शनि देवता होने से वर्षा की बेढंगी चाल रहेगी, सामूहिक रूप से वर्ष भर वर्षा की कमी रहेगी परन्तु जब भी वर्षा होगी तो वर्षा भयंकर रूप धारण करेगी, श्रावण अथवा भाद्र मास में बाढ़ का भी अन्देशा है।

धन के स्वामी भौम देवता काश्मीर वर्ष लग्न में भौम की स्थिति अच्छी नहीं है, राजनैतिक उथल-पुथल से व्यापारी वर्ग का व्योपार डांवाडोल स्थिति में ही रहेगा। पर्यटकों के यातायात में रुकावट का पड़ना काश्मीर के व्योपार को पछाड़ देगा, कारखाने, फैक्टरी तथा तामीरी कामों से सम्बन्धित कारखानेदार, फैक्टरियों के मालिक तथा मजदूर वर्ग इस वर्ष लाभ में रहेगा, घूस तथा चोरबाजारी में खुली छूट देखने में आयेगी जो सर्वसाधारण जनता के लिए बेचैनी तथा परेशानी का कारण बनेगी।

रक्षामंत्री शनि देवता होने से दंगे-फसाद अफरातफरी और झुल्लड़बाजी की घटनाएं प्राय: होती रहेंगी सरकार काश्मीर के वातावरण को शान्त बनाये रखने में बेबस रहेगी।

वर्ष का नाम बहुधान्य इस नाम का अर्थ ही है, धान्य का अधिक होना, इस योग से काश्मीर में ही क्या सामूहिक रूप से अखिल भारत में धान्य की पैदावार सन्तोषजनक होगी।

वर्ष का वाहन "नौका" नौका प्राय: डांवाडोल स्थिति में रहती है, इसलिए यह बात आवश्यक है कि कश्मीर के अनुशासन की स्थिति डांवाडोल रहेगी जिसके फलस्वरूप जनता में विश्वास की कमी तथा मानसिक अशान्ति रहेगी।

वर्षा भगवती दौवारिका (चौकीदारिन) गरीब जनता मजदूर वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की ओर सरकार की प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

(सम्पादक)

आमदनी खर्च

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
आय	11	5	11	5	8	11
व्यय	5	14	11	8	5	11
राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मक.	कुम्भ	मीन
आय	5	11	8	2	2	8
व्यय	14	5	11	14	14	11

सप्त० सं० ५०६१ । वि० सं० २०४२ । चैत्र शुक्लपक्ष । मीन में सूर्य, बुध,

शुक्र । मेष में भौम, राहु । मकर में बृहस्पति, वृश्चिक में शनि, तुला में केतु । (बसन्त ऋतु) (२२ मार्च से प्र[illegible])

	राघ	चैत्र	हि	मार्च	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में
१४	५४	९	२९	22	शुक्र	उभा	दि	१५	२६	प्र	प्र	३	५	नवरात्र आरम्भ । नवरेह । ध्वज: ।
	५१	१०	३०	23	शनि	रेव	दि	२१	५४	द्वि	प्र	८	१३	३-१४ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । ८-३५ दिन से ९-५०
	४८	११	?ज	24	रवि	अ	दि	२८	१७	तृ	प्र	१३	९	आनन्द: ।
	४५	१२	२	25	सोम	भर	प्र	३	३८	च	प्र	१७	२५	२-३७ रात वृष में चन्द्र । चर: । रात तक गण्डान्त । प्रजापत्य: ।
	४३	१३	३	26	भौम	कृ	प्र	८	३७	पं	प्र	२०	४८	मुसलम् ।
	४०	१४	४	27	बुध	रो	प्र	१२	३१	ष	प्र	२२	५८	कुमार षष्ठी व्रत । शूलम् ।
	३७	१५	५	28	गुरु	मृ	प्र	१५	१९	स	प्र	२३	५८	१२-१४ दिन मिथुन में चन्द्र । मृत्यु: ।
	३५	१६	६	29	शुक्र	आ	प्र	१७	४	अ	प्र	२४	३	दुर्गाष्टमी । काम्य: । ✱ शिवा भगवती जयन्ती । छत्रम् ।
	३२	१७	७	30	शनि	पुन	प्र	१६	५६	न	प्र	२२	७	रामनवमी । बुध अस्त, ७-२५ शां कर्क में चन्द्र । उमाजयंती ✱
	३०	१८	८	31	रवि	ति	प्र	१६	०	द	प्र	१९	२५	११-० दिन शुक्र—अस्त । श्रीवत्स: । ध्वांक्ष: ।
	२७	१९	९	अप्रै	सोम	अ.	प्र	१४	१	ए	प्र	१५	३५	१२-१९ रात सिंह में चन्द्र । ६-३१ शां से गण्डान्त । कामदा ११ ।
	२४	२०	१०	2	भौम	म	प्र	११	१५	द्वा	प्र	११	३	६-६ प्रात: तक गण्डान्त । कालदण्ड: ।
	२२	२१	११	3	बुध	पू	प्र	७	५३	त्र	प्र	५	५०	३-२५ रात कन्या में चन्द्र । महावीर जयन्ती । स्थिर: ।
	१९	२२	१२	4	गुरु	उ	प्र	४	३	चं	प्र	०	१०	मातंग: ।
	१६	२३	१३	5	शुक्र	ह	प्र	०	१५	पं	दि	२५	३७	अनतम ।

शुक्र—अस्त ३१ मार्च

श्राद्ध :- प्रतिपद् से पूर्णिमा तक अपने ही दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पूर्णिमा तक अपने ही दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- २२ मार्च पूर्व उत्तर यात्रा । २३ मार्च उ० पश्चिम यात्रा । २४ मार्च पूर्व उत्तर यात्रा । २७ मार्च उत्तर विना २८ पू० पश्चिम । ३० पू० विना । ३१ मार्च पू० उ० । ३ अप्रेल उ० विना । ४ अप्रेल पू० पश्चिम । ५ अप्रेल पश्चिम विनायात्रा ।

वि० सं० २०४२। वैशाख कृष्णपक्ष। मीन में सूर्य, बुध, शुक्र। मेष में

भौम, राहु। मकर में बृहस्पति। तुला में केतु ❋ मंगलेश्वर जयन्ती। वेताल षष्ठी ऋषिपीर श्राद्ध। ध्वांक्षः। वृश्चिक में शनि

शक्र उदय	राघ	चैत्र	रज	अप्रैल	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	6 अप्रैल से 20 अप्रैल तक (वसन्त ऋतु) उत्तरायण
१४	१४	२४	१४	6	शनि	चि	दि	२७	१९	प्र	दि	१९	१२	५-५७ प्रातः तुला में चन्द्र। बुध उदय। ४-४० प्रातः शुक्र उदय। काण्डः।
	११	२५	१५	7	रवि	स्वा	दि	२३	२४	द्वि	दि	१३	२२	अलापक.।
	९	२६	१६	8	सोम	वि	दि	१९	५०	तृ	दि	८	२१	८-२५ दिन वृश्चिक में चन्द्र। संकट चतुर्थी। मैत्रम्।
	६	२७	१७	9	भौम	अनू	दि	१६	५०	च	दि	३	२१	=०ह्.। दिन क्षय। श्री पंचमी। वज्रम।
	३	२८	१८	10	बुध	ज्ये	दि	१४	३१	ष	प्र	२३	३२	११-५५ दिन धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। ६-७ प्रातः से गण्डान्त ❋
	१	२९	१९	11	गुरु	मू	दि	१३	३	स	प्र	२०	५५	११-१९ दिन तक मूल। धोमः। ❋ ५-४३ दिन तक। ❋
	५८	३०	२०	12	शुक्र	पू०	दि	१३	४०	अ	प्र	१९	३२	५-९ दिन मकर में चन्द्र। ९ बजे रात से मासान्त। प्रवचः। क्षय·
संक्रान्ति	५५	वैशा	२१	13	शनि	उ०	दि	१३	२८	न	प्र	१९	१८	९-० रात से मेष में सूर्य मुहूर्त ३० किनारी वैशाखी संक्रांति व्रत।
	५३	२	२२	14	रवि	श्र	दि	१५	३९	द	प्र	२०	३२	१२-४८ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। मुसलम् ☛
	५८	३	२३	15	सोम	धं	दि	१८	४५	ए	प्र	२३	२	चन्द्र मास, वरूथिनी एकादशी। शूलम्। (निशात)
वृष	४८	४	२४	16	भौम	श	दि	२३	११	द्वा	प्र	२६	१	२-२५ दिन वृष में भौम। मृत्युः स्वामी लक्ष्मण जी जन्मोत्सव
भौम	४५	५	२५	17	बुध	पूभ	दि	२६	५४	त्रौ	प्र	२७	३०	१०-५४ दिन मीन में चन्द्र। दिन अधिक। त्रिस्पृक्। काम्यः।
	४३	६	२६	18	गुरु	उभ	प्र	२	३	त्रौ	दि	३	१२	छत्रम्। ● गण्डान्त। ९-१४ दिन से चन्द्र अस्त। वल्लभाचार्य ❀
	४०	७	२७	19	शुक्र	रे	प्र	८	५	चं	दि	८	७	१०-१५ रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। ३-४६ दिन से ●
	३८	८	२८	20	शनि	अ	प्र	१४	५०	अं	दि	१३	१३	५-२ प्रातः तक गण्डान्त। सौम्यः। ❀ जयन्ती। मैत्रम्।

लक्ष्मीनारायण व्रत वृ. लक्षलवंदन।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से चतुर्थी तक पहले दिन। षष्ठी से त्रयोदशी तक अपने दिन चतुर्दशी से अमावसी तक पहले दिन।

मध्याह्न :- प्रतिपद् द्वितीया अपने दिन। तृतीया चतुर्थी पहले दिन। षष्ठी से त्रयोदशी तक अपने दिन, चतुर्दशी अमावसी पहले दिन

यात्रा मुहूर्त :- ८ अप्रैल पू० बिना यात्रा २-५ दिन से। १० उ० बिना। ११, पू० पश्चिम। १२, पश्चिम बिना। १४, पू० उत्तर १५, उ० पश्चिम। १६, पूर्व यात्रा। १७, पू० पश्चिम। १८ अप्रैल पूर्व पश्चिम यात्रा।

सप्त० सं० ५०६१। वि० सं० २०४२। वैशाख शुक्लपक्ष। मेष में सूर्य, राहु। वृष में भौम। मीन में बुध, शुक्र। मकर में बृहस्पति, वृश्चिक में शनि, तुला में केतु।

वसन्त ऋतु

	राष्ट्र	वैशा	हि	अप्रै	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	(२१ अप्रैल से ४ मई। ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में
	३६	९	२९	21	रवि	भर	प्र	२०	४५	प्र	दि	१८	५	राष्ट्रीय वैशाख प्रारम्भ । कालदण्डः ।
१३	३४	१०	शा.	22	सोम	कृ	प्र	२६	४५	द्वि	दि	२२	१७	९-५२ दिन वृष में चन्द्र । परशुराम जयन्ती । स्थिरः । शाबान ।
	३१	११	२	23	भौम	रो	प्र	२७	२	तृ	दि	२५	३९	अक्षया तृतीया । कोठिगार यात्रा । मातंगः ।
	२९	१२	३	24	बुध	रो	द्वि	२	५५	च	दि	२७	५१	७-४८ रात मिथुन में चन्द्र । शून्यम् ।
	२७	१३	४	25	गुरु	मृ	दि	६	४	पं	दि	२८	५४	श्री शंकराचार्य जयन्ती । सूरदास जयंती । कुमार षष्ठी व्रत । मृत्युः ।
	२५	१४	५	26	शुक्र	आ	दि	७	४७	ष	दि	२८	२९	३ १४ रात कर्क में चन्द्र । रामानुजाचार्य जयंती । काम्यः ।
	२३	१५	६	27	शनि	पुन	दि	८	२२	स	दि	२६	५४	गंगा जयंती । छत्रम् । ● जयंती । श्रीवत्सः ।
	२१	१६	७	28	रवि	ति	दि	७	४५	अ	दि	२४	११	५-४३ प्रातः अगस्त्य अस्त । २-३३ रात से गण्डान्त । छत्रपति शिवाजी ●
	१९	१७	८	29	सोम	अ.	दि	६	१०	न	दि	२०	२८	८-१८ दिन सिंह में चन्द्र । ३ २५ दिन तक गण्डान्त । सौम्यः ।
	१७	१८	९	30	भौम	म	दि	३	४१	द	दि	१५	५८	कालदण्डः । स्थिरः ।
	१४	१९	१०	मई	बुध	पू	दि	०	३५	ए	दि	१०	४७	११-४० दिन कन्या में चन्द्र । नारद एकादशी । डुमटवल यात्रा ।
	१२	२०	११	2	गुरु	ह	प	२०	१	द्वा	दि	५	९	=यहुः । दिन कम । क्षयः ।
	१०	२१	१२	3	शुक्र	चि	प्र	१५	१३	चं	प्र	१९	३२	२-६ दिन तुला में चन्द्र । गणेश चतुर्दशी, गणपतयार यात्रा, गजः ।
	८	२२	१३	4	शनि	स्वा	प्र	११	२	पू	प्र	१३	१२	श्री बुध जयंती । चन्द्र ग्रहण । सिद्धः ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से द्वादशी तक पहले दिन चतुर्दशी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् पहले दिन द्वितीया से दशमी तक अपने दिन । एकादशी, द्वादशी पहले दिन । चतुर्दशी पूर्णिमा अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- २३ अप्रैल पूर्व दक्षिण यात्रा । २४, उत्तर बिना । २५, पूर्व पश्चिम । २६, पश्चिम बिना । २७ पू० बिना । २८ पू० उ० यात्रा 9 बजे दिन तक । १ मई उ० बिना । २ मई पू० पश्चिम यात्रा ।

वि० सं० २०४२। ज्येष्ठ कृष्णपक्ष। मेष में सूर्य, राहु। वृष में भौम।

मीन में बुध, शुक्र। मकर में बृहस्पति। वृश्चिकमें शनि। तुला में केतु। (ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)

	राघं	वैशा	रज	मई	वार	नक्षत्र		घं	पल	तिथि		घड़ी	पल	5 मई से 19 मई तक (वसन्त ऋतु) उत्तरायण
१३	६	२३	१४	5	रवि	वि	प्र	७	१७	प्र	प्र	७	४८	नारद जयंती। ४-३२ दिन वृश्चिक में चन्द्र। उन्मूलम्।
	४	२४	१५	6	सोम	अनू	प्र	४	२	द्वि	प्र	२	३८	मानसम्।
मेष	२	२५	१६	7	भौम	ज्यं	प्र	१	१६	तृ	दि	३२	६	७-५३ शां धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। २-८ दिन से गण्डान्त ★
बुध	०	२६	१७	8	बुध	मू	दि	३३	४५	च	दि	२८	३०	ध्वजः। ७-१२ शां तक मूल।
१२	५७	२७	१८	9	गुरु	पू०	दि	३३	६	पं	दि	२५	५५	१२-५३ रात मकर में चन्द्र। प्रधापत्यः।
	५५	२८	१९	10	शुक्र	उ०	दि	३३	३५	ष	दि	२४	२६	आनन्दः। ● किनारी, संक्रांति व्रत काण्डः।
	५३	२९	२०	11	शनि	श्र	प्र	१	५	स	दि	२४	१९	८-२ दिन से कृतिका में सूर्य। स्थिरः।
	५१	३०	२१	12	रवि	घं	प्र	४	१	अ	दि	२५	२७	८-२० दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। मातंगः।
	४९	३१	२२	13	सोम	श	प्र	८	४	न	दि	२७	४१	७-११ शां से मासान्त। अमृतम्।
सांक्रान्ति	४७	ज्यं	२३	14	भौम	पूभ	प्र	१२	५९	द	दि	३१	५	१२-३५ दिन मीन में चन्द्र। ७-११ शां वृष में सूर्य मुहूर्त १५ ●
	४५	२	२४	15	बुध	उभ	प्र	१९	३६	ए	प्र	०	४९	भद्रकाली जयंती। वृष मास। रथा ११। प्रलापकः।
	४३	३	२५	16	गुरु	रं	प्र	२५	३६	द्वा	प्र	५	३७	१०-५७ रात से गण्डान्त। मैत्रम्। गण्डान्त। श्रीवत्सः।
	४०	४	२६	17	शुक्र	रे	दि	०	३	त्रौ	प्र	१०	३४	५-३६ प्रातः मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। १२-१५ दिन तक
	३८	५	२७	18	शनि	अ	दि	६	३	चं	प्र	१५	२४	सौम्यः। कालदण्डः।
	३६	६	२८	19	रवि	भर	दि	१२	३६	अ	प्र	१९	२६	५-१० शां वृष में चन्द्र। हरीश्वर यात्रा, खुनमुह तथा सुम्बलयात्रा

वटसावित्री व्रत

श्राद्ध :- प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन। चतुर्थी से दशमी तक पहले दिन एकादशी से अमावसी तक अपने दिन।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से अमावसी तक अपने दिन। ★ १-४० रात तक। संकट चतुर्थी। १२-५५ दिन मेष में बुध मुदारम्भ

यात्रा मुहूर्त :- ६ मई पूर्व विना यात्रा। ७, पूर्व दक्षिण। ८, उ० विना। ९, पू०पश्चिम। १०, पश्चिम विना। ११, पू० विना। १२, पू० उत्तर ८-२० दिन तक। १३, उ० पश्चिम। १५, पूर्व पश्चिम। १६, पू० पश्चिम। १७, पू० उतर। १८, पूर्व विना यात्रा

ई० सं 1985 । ज्येष्ठ शुक्लपक्ष । वृष में सूर्य, भौम । मेष में बुध ।

मीन में शुक्र । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । तुला मे केतु ।मेष में राहु ।

	राघं	ज्येष्ठ	हिज	मई	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घडी	पल	(२० मई से ३० जून तक ग्रीष्म ऋतु)
	३४	७	२९	20	सोम	कृ	दि	१८	२	प्र	प्र	२२	४९	५-८ दिन बुध पश्चिम उदय । स्थिर: ।
१२	३३	८	३०	21	भौम	रो	दि	२२	२८	द्वि	प्र	२४	४५	३-१५ रात मिथुन में चन्द्र । चन्द्रदर्शन । मातंग: ।
	३३	९	रम	22	बुध	मृ	दि	२५	४६	तृ	प्र	२५	६	दिन अधिक । रोजा आरम्भ । अमृतम् ।
	३२	१०	२	23	गुरु	आ	दि	२७	५२	तृ	दि	०	३३	काण्ड: ।
	३१	११	३	24	शुक्र	पुं	दि	२८	४	च	दि	०	१२	१०-५६ दिन कर्क में चन्द्र । ध्वज: । अनायक. । ९ मैत्रम् ।
वृष	३०	१२	४	25	शनि	ति	दि	२८	१९	ष	प्र	२०	५०	५-३१ दिन रोहिणी में सूर्य । १-४६ दिन वृष में बुध । कुमार षष्ठी ९
बुध	२९	१३	५	26	रवि	श्र.	दि	२६	५३	स	प्र	१७	२	४-१६ दिन सिंह में चन्द्र । भौम अस्त । १०-२५ दिन से गण्डान्त ●
	२८	१४	६	27	सोम	म	दि	२४	३५	अ	प्र	१२	२९	ज्येष्ठ अष्टमी, क्षीरभवानी यात्रा । ध्वांक्ष: ।
मिथुन	२७	१५	७	28	भौम	पू	दि	२१	३४	न	प्र	७	११	५-४४ रात कन्या में चन्द्र । धौम्य: ● १०-१० रात तक । वज्रम् ।
भौम,	२७	१६	८	29	बुध	उ	दि	१८	८	द	प्र	१	२७	प्रवर्ध: ४ क्षय: ।
मेष तुला	२६	१७	९	30	गुरु	ह.	दि	१४	४	ए	दि	३०	३१	१०-१७ रात तुला में चन्द्र । ८-५५ रात मिथुन में भौम निर्जला ११ +
शुक्र शनि	२५	१८	१०	31	शुक्र	चि	दि	१०	३९	द्वा	दि	२४	२७	५-५१ प्रात: तुला में वक्री शनि । ५-५८ प्रात: मेष में शुक्र । गजः ।
	२४	१९	११	जून	शनि	स्वा	दि	५	५६	त्री	दि	१८	२८	१२-४२ रात वृश्चिक में चन्द्र । सिद्ध: ।
	२३	२०	१२	2	रवि	वि	दि	२	७	चं	दि	१२	४७	उन्मूलम् । ✱ १०-१९ रात से गण्डान्त
	२२	२१	१३	3	सोम	ज्ये	प्र	२०	५५	पूं	दि	७	३५	३-५३ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। रूपभवानी जयंती ।काम्य: ✱

श्राद्ध :- २० से २२ मई तक अपने दिन । २४, पहले दिन । २५ से ३० तक अपने दिन । ३१ से ३ जून तक पहले दिन

मध्याह्न :- २० से २३ तक अपने दिन । २४, पहले दिन। २५ से १जून तक अपने दिन । २,३ जून पहले दिन

यात्रा मुहूर्त :- २० मई पूर्व विना १२-४३ दिन से । २१, पूर्व दक्षिण । २२, उ० विना यात्रा । २४, पश्चिम विना । २५ पू० विना । २८, पूर्व दक्षिण । २९, उत्तर विना । ३०, पू० पश्चिम ३ जून पू० विना यात्रा ।

वि० सं० २०४२ । आषाढ़ कृष्णपक्ष । वृष में सूर्य, बुध । मिथुन में भौम ।

मकर में बृहस्पति, मेष में शुक्र, राहु । तुला में वक्री शनि केतु । (ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)

(ग्रीष्म ॠतु) उत्तरायण * चन्द्र । धमृतम् ।

	राषं	ज्ये.	रमज	जून	वार	नक्षत्र		घड़ी पल	तिथि		घड़ी पल	
	२१	२२	१४	4	भौम	मू	प्र	१७ २२	प्र	दि	३ ०	९-३८ दिन तक गण्डान्त । उपद्: । श्री गुरु हरगोविन्द जयंती । वज्रम् ।
१२	२१	२३	१५	5	बुध	पू०	प्र	१७ ५३	तृ	प्र	२२ ५२	श्रीवत्स: ।
	२०	२४	१६	6	गुरु	उ०	प्र	१८ २	च	प्र	१९ ३१	२-४८ दिन मकर में चन्द्र । संकट चतुर्थी । सौम्य: ।
	१९	२५	१७	7	शुक्र	श्र	प्र	१९ २९	पं	प्र	१८ ११	धोम्य: ।
	१८	२६	१८	8	शनि	धं	प्र	२२ ९	ष	प्र	२० ७	४-२७ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक प्रारम्भ । प्रवर्ध: ।
	१७	२७	१९	9	रवि	श	प्र	२४ ३४	स	प्र	२२ १६	क्षय: ।
मिथुन	१६	२८	२०	10	सोम	श	दि	१ ३८	अ	प्र	२४ ३२	दिन अधिक ११-३३ दिन मिनथु में बुध । १-२७ रात मीन में *
बुध	१५	२९	२१	11	भौम	पूभ	दि	६ २६	अ	दि	० ५६	काण्ड: ।
	१५	३०	२२	12	बुध	उभ	दि	१२ १०	न	दि	५ ६	प्रलापक: । *शां तक गण्डान्त । मैत्रम्
	१४	३१	२३	13	गुरु	रे	दि	१८ २७	द	दि	९ ४९	१२-४६ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । ६-६ प्रातः मे ७-२७●
	१३	ह्वार	२४	14	शुक्र	अ	दि	२४ ५६	ए	दि	१४ ४७	शुक्र मास । योगिनी एकादशी । ५-३ प्रातः से मासान्त । वज्रम् ।
	१२	२	२५	15	शनि	भर	दि	३१ ८	द्वा	दि	१९ ३३	१२-२६ रात वृष में चन्द्र । ५-३ प्रातः मिथुन में सूर्य । मुहूर्त १५●
	११	३	२६	16	रवि	कृ	प्र	१ ७	त्रो	दि	२३ ४१	धोम्य: । ●किनारी संक्राति वज्रम् ।
	१०	४	२७	17	सोम	रो	प्र	५ ४८	चं	दि	२६ ५८	४-१० चन्द्र अस्त । प्रवर्ध: ।
	९	५	२८	18	भौम	म	प्र	९ २३	अं	दि	२९ १०	१०-४२ दिन मिथुन में चन्द्र । क्षय: ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् पहले दिन । तृतीया मे अष्टमी तक अपने दिन । नवमी मे अमावसी तक पहले दिन । अपने दिन ।

मध्याह्न:- प्रतिपद् पहले दिन । तृतीया मे अष्टमी तक अपने दिन । नवमी मे द्वादशी तक पहले दिन । त्रयोदशी से अमावसी तक

यात्रा मुहूर्त.:- ४ जून पूर्व दक्षिण । ५, उ०विना । ६ पूर्व पश्चिम । ७, पश्चिम विना ८, पू० विना, ४-२७ दिन से दक्षिण यात्रा निषेध । ९. पू० उत्तर । १०, पू० उ० । ११, पू० यात्रा । १२, पूर्व पश्चिम । १३ पूर्व पश्चिम । १७, पूर्व विना यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१ । आषाढ़ शुक्लपक्ष । मिथुन में सूर्य, भौम, बुध । मकर में बृहस्पति, मेष में शुक्र, राहु । तुला में वक्री शनि केतु ।(ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)

	राघ	हार	हिज	जून	वार	नक्षत्र		डग्री	पल	तिथि		घड़ी	पल	१९ जून से २ जुलाई तक (ग्रीष्म ऋतु)
१२	८	६	२९	19	बुध	आ	प्र	११	४६	प्र	दि	३०	८	चन्द्रदर्शन । गज: ।
	७	७	शवा	20	गुरु	पुन	प्र	१२	४६	द्वि	दि	२९	४९	६-४१ शां कर्क में चन्द्र । ३-१०दिन दक्षिणायन । मिद्ध: । शवाल ।
	९	८	२	21	शुक्र	ति	प्र	१२	४५	तृ	दि	२८	१०	उन्मूलम् । मानसम् ।
	१०	९	३	22	शनि	अ.	प्र	११	३२	चं	दि	२५	२६	१२-१५ रात सिंह में चन्द्र । ६-२३ शां मे गण्डान्त । बुध उदय
	११	१०	४	23	रवि	म	प्र	९	२१	पं	दि	२१	३७	६-२ प्रात: तक गण्डान्त । कुमार षष्ठी व्रत । मुद्गरम् ।
	११	११	५	24	सोम	पू	प्र	६	२७	ष	दि	१७	७	३-५१ रात कन्या में चन्द्र । ध्वज: ।
	१२	१२	६	25	भौम	उ	प्र	२	५८	स	दि	११	५०	आषाढ सप्तमी । प्रजापत्य: ।
	१३	१३	७	26	बुध	ह	दि	३४	४०	अ	द्वि	६	९	आषाढ अष्टमी । आनन्द: । तुला में चन्द्र कर्क में बुध
कर्क बुध	१४	१४	८	27	गुरु	चि	दि	३०	३३	न	दि	०	६	ध्यह: । दिन कम । आषाढ़ नवमी, शारिका जयंती । ६-२६ प्रात:
वृष	१५	१५	९	28	शुक्र	स्वा	दि	२६	२६	ए	प्र	१२	१८	देवशयनी एकादशी । मुसलम् । यात्रा । शूलम् । हरिस्नान,
शुक्र.	१६	१६	१०	29	शनि	वि	दि	२२	३१	द्वा	प्र	६	३६	१२-२३ दिन वृष में शुक्र । ८-४६ दिन वृश्चिक में चन्द्र । लुकमवन
	१७	१७	११	30	रवि	अनू	दि	१९	५	त्रौ	प्र	१	५७	मृत्यु: । क्षिप्र यात्रा । ६-८ प्रात: से गण्डान्त ५-३९ दिन तक काम्य: ।
	१७	१८	१२	जुलाई	सोम	ज्ये	दि	१६	१३	चं	दि	३२	१०	११-५४ दिन धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । ज्वाला चतुर्दशी
	१८	१९	१३	2	भौम	मू	दि	१४	४	पूं	दि	२८	१९	व्यासपूजा । ११-१३ दिन तक मूल । छत्रम । छड़ी का पहला स्नान

श्राद्ध :- प्रतिपद् से नवमी तक पहल दिन । एकादशी मे चतुर्दशी तक अपने दिन पूर्णिमा पहले दिन । मातण्डतीर्थ

मध्याह्न :- प्रतिपद् से षष्ठी तक अपने दिन अष्टमी से नवमी तक पहले दिन एकादशी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- २० जून पूर्व पश्चिम यात्रा । २१, पू० दक्षिण । २४, पू० विना । २६, उ० विना । ३०, पू० उत्तर । १ जुलाई पू० विना । २. प० दक्षिण यात्रा ।

वि० सं० २०४२। श्रावण कृष्णपक्ष। मिथुन में सूर्य, भौम। कर्क में बुध

मकर में बृहस्पति। वृष में शुक्र। तुला में वक्री शनि, केतु। मेष में राहु।

	राघं	हार	शवा	जुला	वार	नक्षत्र	घडी पल	तिथि	घडी पल	३ जुलाई से १७ जुलाई तक (ग्रीष्म ऋतु) दक्षिणायण
	१९	२०	१४	3	बुध	पू० दि	१३ ०	प्र दि	२५ २९	४-३३दिन मकर में चन्द्र। श्रीवत्सः।
१२	२०	२१	१५	4	गुरु	उ० दि	१२ ४७	द्वि दि	२३ ४५	सोम्यः। सोम्यः।
	२१	२२	१६	5	शुक्र	श्र दि	१३ ५४	तृ दि	२३ १५	११-२२ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। संकट चतुर्थी।
आर्द्रा	२२	२३	१७	6	शनि	धं दि	१६ १५	च दि	२४ २	७ ६ प्रात आर्द्रा में सूर्य का निर्गम यानी आर्द्रा समाप्त। प्रवर्धः।
	२३	२४	१८	7	रवि	श दि	१९ ४९	पं दि	२६ ११	नागपंचमी, पांजय यात्रा विम्सू। चरः।
	२३	२५	१९	8	सोम	पूभ दि	२४ ३१	ष दि	२९ ११	८-४६दिन मीन में चन्द्र। गजः।
	२४	२६	२०	9	भोम	उभ दि	३० ४	स दि	३३ १३	सिद्धः। ● २-६ राततक। उन्मूनम्।
	२५	२७	२१	10	बुध	रे प्र	१ ७	अ प्र	२-४५	७-५९शां मेष में चन्द्र और पचक समाप्त, १-२० दिन से गण्डान्त। ●
	२६	२८	२२	11	गुरु	अ प्र	७ ३७	न प्र	७ ४०	मानसम्।
	२७	२९	२३	12	शुक्र	भर प्र	१३ ५३	द प्र	१२ ३१	मुद्गरम।
	२८	३०	२४	13	शनि	कृ प्र	१९ ४३	ए प्र	१६ ४२	१०-४६ दिन वृष में चन्द्र। कमला एकादशी आल यात्रा। छत्रः।
	२९	३१	२५	14	रवि	रो प्र	२४ ३४	द्वा प्र	२० ३	सूर्यमास। प्रजापत्यः।
	२९	३२	२६	15	सोम	मृ प्र	२४ ५८	त्रो प्र	२२ १६	मिथुन में चन्द्र ६-१० शां से। ८-१३ रात मे मासान्त। आनन्दः।
संक्रान्ति	३०	श्राव	२७	16	भौम	मृ दि	३ २४	च प्र	२३ १८	८-१३ रात कर्क में सूर्य मुहूर्त १५ दरयाई संक्रान्ति व्रत। क्षयः।
	३१	२	२८	17	बुध	आ दि	६ ५२	अं प्र	२३ ७	४-४५ रात से भानुमास आरम्भ। २-२५ रात कर्क में चन्द्र। गजः।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से सप्तमी तक पहले दिन। अष्टमी से अमावसी तक अपने दिन।

मध्याह्न:- प्रतिपद् से अमावसी तक अपने दिन।

यात्रा मुहूर्त :- ३ जुलाई पूर्व पश्चिम। ४, पू० पश्चिम। ५, पश्चिम बिना। ६ पू० उत्तर। ७, पू० उ०। ८, उ० पश्चिम। ९, पूर्व यात्रा। १०, पू० यात्रा। ११, पूर्व पश्चिम। १४,पूर्व उ० यात्रा।

ई० सं 1985 । अधिक श्रावण शुक्लपक्ष । कर्क में सूर्य, भौम, बुध ।

मकर में बृहस्पति । वृष में शुक्र । तुला में वक्री शनि, केतु मेष में राहु (ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)

(१८ जुलाई से ३१ जुला तक वर्षा ऋतु)

	राघं	श्राव	हिज	जुला	वार	नक्षत्र		डघी	पल	तिथि		घड़ी	पल	
१२	३२	३	२९	18	गुरु	पु	दि	७	२१	प्र	प्र	२१	३६	सिद्धः ।
कर्क	३३	४	३०	19	शुक्र	ति	दि	७	३०	द्वि	प	१९	१	१०-३ दिन कर्क में भौम । २-८ रात से गण्डान्त । चन्द्रदर्शन । उन्मूलनम् ।
भौम	३४	५	श्री	20	शनि	अ.	दि	६	३२	तृ	प्र	१५	२३	८-६ प्रातः सिंह में चन्द्र । १-५५ दिन तक गण्डान्त । मानसम् । श्रीकद
	३४	६	२	21	रवि	म	दि	५	२५	च	प्र	१०	५४	मुद्गरम् ।
	३५	७	३	22	सोम	पू	दि	१	५३	पं	प्र	५	३३	११-५९ दिन कन्या में चन्द्र । घौम्यः ।
	३७	८	४	23	भोम	ह	प्र	१९	५४	ष	प्र	०	४	कुमार षष्ठी । सौम्यः ।
	३९	९	५	24	बुध	चि	प्र	१५	४९	स	दि	२८	४७	२-३१ दिन तुला में चन्द्र । तुलसीदास जयंती । कालदण्डः ।
	४१	१०	६	25	गुरु	स्वा	प्र	११	३३	अ	दि	२२	३८	स्थिरः ।
मिथुन	४३	११	७	26	शुक्र	वि	प्र	७	५०	न	दि	१६	३२	४-५६ दिन वृश्चिक में चन्द्र । ९-३५ दिन मिथुन में शुक्र । मातंगः ।
शुक्र	४५	१२	८	27	शनि	अनू	प्र	४	१८	द	दि	१०	४०	अमृतम् । ●१-५५ रात तक : काण्डः ।
	४७	१३	९	28	रवि	ज्ये	प्र	१	२८	ए	दि	५	२३	७-५४ शां धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । २-१२ दिन से गण्डान्त ●
	४९	१४	१०	29	सोम	मू	दि	३३	२५	द्वा	दि	०	४१	ध्वहः । दिन कम । अलापकः ।
	५१	१५	११	30	भोम	पूष	दि	३१	२६	चं	प्र	१९	२४	१२-९ रात मकर में चन्द्र । मैत्रम् ।
	५४	१६	१२	31	बुध	उष	दि	३२	५	पं	प्र	१७	४१	वज्रम् ।

श्राद्ध :– प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन । अष्टमी से द्वादशी तक पहले दिन । चतुर्दशी, पूर्णिमा अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से नवमी तक अपने दिन । दशमी से द्वादशी तक पहले दिन । चतुर्दशी, पूर्णिमा अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १८ जुलाई पूर्व पश्चिम । १९. पश्चिम विना ८-३१ दिन तक । २१, पूर्व उत्तर । ७-४२ प्रातः से । २३, पूर्व दक्षिण २७, पू० विना । २८, पू० उ० । ३१, पू० दक्षिण ।

सप्त० सं० ५०६१ । अधिक श्रावण कृष्णपक्ष । कर्कट में सूर्य, भौम, बुध

मकर में बृहस्पति । मिनथु में शुक्र । तुला में वक्री शनि । मेष में राहु ।

	राघं	श्राव	हिज	अग	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	१ अगस्त से १६ अगस्त तक (वर्षा ऋतु) दक्षिणायण
१२	५६	१७	१३	1	गुरु	श्र	दि	३२	२२	प्र	प्र	१७	१४	ध्वजः । ● चन्द्र और पंचक समाप्त । शूलम् ।
	८५	१८	१४	2	शुक्र	घं	प्र	०	२१	द्वि	प्र	१७	५६	६-५८ प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । प्रजापत्यः ।
१३	०	१९	१५	3	शनि	श	प्र	३	४३	तृ	प्र	२०	०	आनन्दः ।
	२	२०	१६	4	रवि	पूम	प्र	८	११	चं	प्र	२३	८	४-७ दिन मीन में चन्द्र । संकट चतुर्थी । चरः ।
	४	२१	१७	5	सोम	उम	प्र	१३	३२	पं	प्र	२६	८	दिन अधिक । मुसलम् ।
	३	२२	१८	6	भौम	रे.	प्र	१९	४१	पं	दि	१	५	८-३१ रात से गण्डान्त । ३-११ रात मेष में ●
	८	२३	१९	7	बुध	अ	प्र	२६	१२	ष	दि	५	४४	९-४७ दिन तक गण्डान्त मृत्युः ।
	१०	२४	२०	8	गुरु	भ	प्र	२६	२०	स	दि	१०	४०	काम्यः ।
	१३	२५	२१	9	शुक्र	भ	दि	६	१५	अ	दि	१५	२८	१-५५ दिन वृष में चन्द्र । मुद्गरम् ।
	१४	२६	२२	10	शनि	कृ	दि	१२	८	न	दि	१९	४२	ध्वजः ।
	१७	२७	२३	11	रवि	रो	दि	१७	९	द	दि	२३	६	१-३३ रात मिथुन में चन्द्र । प्रजापत्यः ।
	१९	२८	२४	12	सोम	मृ	दि	२१	१३	ए	दि	२५	२५	आनन्दः । ⚲ ७-५३ दिन से मासान्त । मृत्युः
	२१	२९	२५	13	भौम	आ	दि	२४	८	द्वा	दि	२६	३६	भौम मास । चरः ।
	२३	३०	२६	14	बुध	पुन	दि	२५	४७	त्रौ	दि	२६	२५	१०-१ दिन कर्क में चन्द्र । मुसलम् ।
	२५	३१	२७	15	गुरु	ति	दि	२६	१२	चं	दि	२५	१	३-५२ दिन में चन्द्र अस्त । शूलम् ।
	२७	३२	२८	16	शुक्र	अ.	दि	२५	३४	अ	दि	२२	३४	४-७ दिन सिंह में चन्द्र । १०-११ दिन से गण्डान्त, ९-५६ रात तक ।

भानुमास समाप्त

श्राद्ध :- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन । षष्ठी से अमावसी तक पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन । षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन । नवमी से अमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १ अगस्त पू० पश्चिम यात्रा । २, उत्तर । ३, उ० पश्चिम । ४, उ० पू० । ५, उ० पश्चिम । ६ पू० यात्रा । ७, उत्तर विना । ११, पूर्व उ० । १२, पू० विना । १३, पू० दक्षिण । १४, उ० विना । १५, पू० पश्चिम ४-२१ दिन तक ।

वि० सं० २०४२। श्रावण शुक्लपक्ष। सिंह में सूर्य। कर्क में भौम, बुध।

मकर में बृहस्पति। मिथुन में शुक्र। तुला में वक्री शनि केतु। मेष में राहु।

	राशं	माद्र	हि.	अग.	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घडी	पल	(१७अगस्त से ३० अगस्त तक(वर्षा ऋतु)(दक्षिनायण)
संक्रान्ति	२९	१	२९	17	शनि	म	दि	२३	४१	प्र	दि	१८	५०	७-५३ प्रात: सिंह में सूर्य मुहूर्त ३० समुद्रीय सांक्राति । काम्य: ।
१३	३१	२	जिल	18	रवि	पू	दि	२१	२	द्वि	दि	१४	२३	२-२२ दिन कन्या में चन्द्र । छत्रम् । जिलहज ।
	३३	३	२	19	सोम	उ	दि	१७	४८	तृ	दि	९	१६	श्रीवत्स: ।
	३६	४	३	20	भौम	ह	दि	१४	१	च	दि	३	३६	वज्र: । दिन कम । १०-४६ रात तुला में चन्द्र । सौम्य: ।
कर्क	३८	५	४	21	बुध	चि	दि	१०	०	ष	प्र	१८	४७	१-३३ रात कर्क में शुक्र । कुमार षष्ठी । कालदण्ड: ।
शुक्र	४०	६	५	22	गुरु	स्वा	दि	५	५०	स	प्र	१२	४७	१-० रात वृश्चिक में चन्द्र । तुलसीदास जयंती । स्थिर: ।
	४२	७	६	23	शुक्र	वि	दि	१	३९	अ	प्र	७	५	मातंग: । ● गण्डान्त । गज: ।
	४५	८	७	24	शनि	ज्ये	प्र	२२	२०	न	प्र	१	५२	३-५६ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । १०-१४ रात से ●
	४७	९	८	25	रवि	मू	प्र	१९	५२	द	दि	२९	३९	९-४१ दिन तक गण्डान्त । २-५७ रात तक मूल । सिद्ध: ।
	५०	१०	९	26	सोम	पू०	प्र	१८	१८	ए	दि	२५	४८	पवित्रा ११ । उन्मूलम् ।
	५२	११	१०	27	भौम	उ०	प्र	१७	४०	द्वा	दि	२२	४१	८-१३दिन मकर में चन्द्र । श्रावण १२, शुपयान यात्रा । मानसम् ।
	५५	१२	११	28	बुध	श्र	प्र	१८	१५	त्रो	दि	२०	५६	मंत्रम् ।
	५८	१३	१२	29	गुरु	धं	प्र	२०	९	चं	दि	२०	२०	२-३५ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । श्रीवत्स: ।
१४	०	१४	१३	30	शुक्र	श	प्र	२३	१०	पं	दि	२१	१	रक्षाबन्धन पूर्णिमा । अमरनाथ यात्रा । थजीवारा यात्रा । सौम्य: ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से चतुर्थी तक पहले दिन । षष्ठी से दशमी तक अपने दिन । एकादशी से पूर्णिमा तक पहले दिन ।
मध्याह्न :- प्रतिपद् द्वितीया अपने दिन । तृती० चतुर्थी पहले दिन । षष्ठी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १८ अगस्त पू० उ० यात्रा । १९, पू० विना । २४, पूर्व विना । २५ पूर्व उ० । २६, पूर्व विना । २८, पू० पश्चिम । २९, पू० पश्चिम । ३० पू० उत्तर यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१ । भाद्र कृष्णपक्ष । सिह में सूर्य, बुध । कर्कट भौम, शुक्र । मकरमें वृहस्पति । तुला में वक्री शनि । मेष में राहु ।

	राघं	भाद्र	हि.	अग	वार	नक्षत्र		घड़ी पल	तिथि		घडी पल	३१ अगस्त से १४ सितंबर तक ((वर्षा ऋतु)) दक्षिणायण ।
सिह १४	३	१५	१४	31	शनि	पूम	प्र	२७ ५८	प्र	दि	२२ ५७	११-२६ रात मीन में चन्द्र । कालदण्ड: ।
भौम	५	१६	१५	सितं	रवि	उम	प्र	२८ १०	द्वि	दि	२६ ०	१-५५ दिन सिह में बुध । १२-१८ रात सिह में भौम। स्थिर: ।
बुध	८	१७	१६	2	सोम	उभ	दि	४ ३६	तृ	दि	३० १	३-४५ रात से गण्डान्त । नवदन्न यात्रा । संकट चतुर्थी । मुसलम् ।
	१०	१८	१७	3	भौम	रे	दि	१० ३३	च	प्र	३ ३	१०-२३ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । शूलम् ।
	१३	१९	१८	4	बुध	अ	दि	१५ ५२	पं	प्र	८ ७	मृत्यु: ।
	१६	२०	१९	5	गुरु	भर	दि	२३ १५	ष	प्र	१३ ९	१०-१० रात वृष में चन्द्र । चन्दन षष्ठी । काम्य: ।
	१८	२१	२०	6	शुक्र	कृ	दि	२९ १४	स	प्र	१७ २४	शीतला सप्तमी । छत्रम् ।
जन्माष्टमी	२१	२२	२१	7	शनि	रो	प्र	३ १५	अ	प्र	२१ ६	जन्माष्टमी एक । श्रीवत्स: । शनि, बृहस्पति मास । अमृतम्
	२४	२३	२२	8	रवि	मृ	प्र	७ ३९	न	प्र	२३ २१	८-५६ प्रात: मिथुन में चन्द्र । सौम्य: ।
	२६	२४	२३	9	सोम	आ	प्र	१० ५५	द	प्र	२५ १	कालदण्ड: ।
	२९	२५	२४	10	भौम	पुन	प्र	१२ ५८	ए	प्र	२५ ८	५-४० शां कर्क में चन्द्र । अजा ११ । स्थिर: ।
	३१	२६	२५	11	बुध	ति	प्र	१३ ४३	द्वा	प्र	२३ ५०	गोवत्सा द्वादशी । मातंग: ।
	३४	२७	२६	12	गुरु	अ.	प	१३ १७	त्रौ	प्र	२१ ३२	१२-० रात सिह में चन्द्र । ६-५ शां से गण्डान्त । वृश्चिक में स्वचारी
	३६	२८	२७	13	शुक्र	म	प्र	११ ४६	च	प्र	१८ ८	५-३१ प्रात: तक गण्डान्त । १-५५ रात चन्द्रास्त । काण्ड: ।
	३९	२९	२८	14	शनि	पू	प्र	९ २४	अं	प्र	१३ ५४	४-७ रात कन्या में चन्द्र । बुध अस्त । दर्शमावसी । मलापक: ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से तृतीया तक पहलेदिन । चतुर्थी से अमावसी तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से अमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ३१ अगस्त उत्तर पश्चिम यात्रा । १ सितंबर पू० उ० । २, उ० पश्चिम । ३, पू० यात्रा । ७, पू० विना । ८, पूर्व उत्तर । १० पू० दक्षिण । ११ सितंबर उ० विना ।

ई० सं 1985। भाद्र शुक्लपक्ष। सिंह में सूर्य, भौम, बुध, शुक्र। मकर में बृहस्पति। वृचिक में स्वचारी शनि। मेष में राहु। तुला में केतु। (ग्रहसंचार बजे ग्रोर मिन्टों में)

सिंह शुक्र	राधे	भाद्र	हिज	सितं	वार	नक्षत्र		डघी पल	तिथि		घड़ी पल	रात (१५ सितंबर से २८ सितंबर तक) शरद ऋतु दक्षिनायण।
१४	४१	३०	२९	15	रवि	उ	प्र	६ २०	प्र	प्र	८ ५३	३-३६ सिंह में शुक्र। मैत्रम्। करंकतीर्थ। प्रवर्घः।
	४४	३१	३०	16	सोम	ह	प्र	२ ४५	द्वि	प्र	३ २३	चन्द्रदर्शन। वज्रम्। संक्राति व्रत। हरुद। ध्वांक्षः।
संक्रान्ति	४७	असू	मह	17	भोम	चि	दि	२८ १३	तृ	दि	२७ ५८	६-३५ प्रातः तुला में चन्द्र। ८-३७ दिन कन्या में सूर्य मुहूर्त ३० पहाड़ी
	४९	२	२	18	बुध	स्वा	दि	२५ ५	च	दि	२१ ५४	विनायक चतुर्थी। सौम्यः। मुहरम 1406 हिजरी।
	५२	३	३	19	गुरु	वि	दि	२० ०	पं	दि	१५ ५४	९-१५ दिन वृश्चिक में चन्द्र। कुमार षष्ठी व्रत। वराह पंचमी।
कन्या बुध	५५	४	४	20	शुक्र	अनू	दि	१७ ११	ष	दि	१० ९	६-३९ शां कन्या में बुध। क्षयः। ५.४२ शां तक ३-२ अगस्त्योदय
	५७	५	५	21	शनि	ज्ये	दि	१३ ५०	स	दि	४ ५४	१२-० दिन धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। ६-१९ प्रातः से गण्डान्त
१५	०	६	६	22	रवि	मू	दि	११ ८	अ	दि	० ९	२.२३ रात को दिन रात तुल्य। गंगाष्टमी। गुशी तथा माधुमाल्युन यात्रा
	२	७	७	23	सोम	पूष	दि	९ १६	द	प्र	२३ २६	४-४ दिन मकर में चन्द्र। उन्मूनम्। ब्रह्मसरोवर श्राद्ध। गजः
	४	८	८	24	भोम	उष	दि	८ १९	ए	प्र	२१ ३९	नारायणी ११। गौतमनाग यात्रा। मानसम्।
	७	९	९	25	बुध	श्र	दि	८ ४२	द्वा	प्र	२१ ११	१०-१२ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। इन्द्र १२। छत्रम्।
	९	१०	१०	26	गुरु	धं	दि	१० ६	त्रो	प्र	२२ २	वितस्ता त्रयोदशी, व्यथवुत्र यात्रा (वेरीनाग) मैत्रम्।
	१२	११	११	27	शुक्र	श	दि	१२ ५०	चं	प्र	२४ १०	अनन्तचतुर्दशी, अनन्तनाग यात्रा। सौम्यः।
	१५	१२	१२	28	शनि	पूभ	दि	१९ ४२	पू	प्र	२७ २६	६-५० प्रातः मीन में चन्द्र। कालदण्डः। १०.५६ दिन तक मूल, सिद्धः

श्राद्ध :- प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन। चतुर्थी से अष्टमी तक पहले दिन। दशमी से पूर्णिमा तक अपने दिन।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन। षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन। दशमी से पूर्णिमा तक अपने दिन।

यात्रा मुहूर्त :- १५ सितंबर पूर्व उ० यात्रा। २०, पश्चिम विना। २१, पू० विना। २२ पू० उ०। २३. पूर्व विना। २४, पूर्व दक्षिण २५, उ० विना। २६, पू० पश्चिम। २७, पश्चिम विना। २८, पूर्व विना यात्रा।

सप्त० सं० ५०६१ । आश्विन कृष्णपक्ष । कन्या में सूर्य, बुध । सिंह में भौम । शुक्र । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में स्वचारी शनि । मेष में राहु । तुला में केतु ।

	राघं	प्रा	हिज	सितं	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	२६ सितंबर से १४ अक्टूबर तक (शरद् ऋतु) दक्षिणायण ।
	१७	१३	१३	29	रवि	उभ	दि	२१	४१	प्र	प्र	३०	३४	पितृपक्ष आरम्भ । दिन अधिक । स्थिर: ।
१५	२०	१४	१४	30	सोम	रे	दि	२७	२३	प्र	दि	०	५८	५-३३ शा मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । मातंग: ।
	२२	१५	१५	अक्टू	भौम	अ	प्र	४	२६	द्वि	दि	५	४४	अमृतम् । ●१-७ दिन तक गण्डान्तअमृतम् ।
	२५	१६	१६	2	बुध	भ	प्र	१०	५७	तृ	दि	१०	५०	संकट चतुर्थी । काण्ड: ।
	२८	१७	१७	3	गुरु	कृ	प्र	१७	९	च	दि	१५	४७	५-१९ प्रात: वृष में चन्द्र । प्रलापक: ।
	३०	१८	१८	4	शुक्र	रो	प्र	२२	३८	पं	दि	२०	१६	मैत्रम् ।
	३३	१९	१९	5	शनि	मृ	प्र	२७	१६	ष	दि	२३	५३	साहिब सप्तमी । ४-२० दिन मिथुन में चन्द्र । वज्रम् ।
	३६	२०	२०	6	रवि	आ	प्र	३०	५०	स	दि	२६	२८	ध्वांक्ष: ।
तुला	३८	२१	२१	7	सोम	पुं	प्र	३१	१६	अ	दि	२७	५०	६-४७ प्रात: तुला में बुध । १-५० रात कर्क में चन्द्र । धौम्य: ।
बुध	४१	२२	२२	8	भौम	पुं	दि	१	४७	न	दि	२७	५४	स्थिर: ।
	४४	२३	२३	9	बुध	ति	दि	२	४४	द	दि	२६	५२	१-५५ रात से गण्डान्त । मातंग: ।
कन्या	४६	२४	२४	10	गुरु	अ.	दि	२	३२	ए	दि	२४	१४	८-२६ प्रात: कन्या में शुक्र । ७-४९ प्रात: सिंह में चन्द्र । इन्द्र ११ । ● उन्मूलम् ।
शुक्र	४९	२५	२५	11	शुक्र	म	दि	१	९	द्वा	दि	२०	५३	काण्ड: ।
	५२	२६	२६	12	शनि	उ	प्र	२७	४१	त्रौ	दि	१६	३५	१२-८ दिन कन्या में चन्द्र । शनि मास । सभी पितरों का श्राद्ध दिवस ।
	५४	२७	२७	13	रवि	ह	प्र	२४	१०	चं	दि	११	३६	११-३१ दिन से चन्द्रास्त । पितृ अमावसी । मानसम् ।
	५७	२८	२८	14	सोम	चि	प्र	२०	२१	अं	दि	६	७	२-१४ दिन तुला में चन्द्र । सोमामावसी । विजयेश्वर यात्रा । मुद्गरम् ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् अपने दिन । द्वितीया से अमावसी तक पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् अपने दिन । द्वितीया से चतुर्थी तक पहले दिन । पंचमी से त्रयोदशी तक अपने दिन । चतुर्दशी, अमावसी पहले दिन ।

यात्रामुहूर्त :- २९ सितंबर उ० पू० यात्रा । ३०, उ० पश्चिम । १ अक्टू पू० दक्षिण । ४, पश्चिम विना । ५, पू० विना । ७, पूर्व विना । ८, पूर्व दक्षिण । १२, पू० विना । १३, पूर्व उत्तर यात्रा ।

ई० सं 1985 । आश्विन शुक्लपक्ष । कन्या में सूर्य, शुक्र । सिंह में भौम । तुला में बुध, केतु । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । मेष में राहु ।

(ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)

(शरद् ऋतु)

(१५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक)

	राष्ट्र	मुस.	हि.	अक्टू.	वार	नक्षत्र	घड़ी पल	तिथि	घड़ी पल	
१५	२६	२६	२६	15	भौम	स्वा प्र	२० २१	प्र दि	० १६	**नवदुर्गारम्भ**। त्र्यहः। दिन कम। ध्वजः। चन्द्रदर्शन। मुसलम्।
	२	३०	सफ	16	बुध	वि प्र	१२ १४	तृ प्र	२० २४	५-२४ शां वृश्चिक में चन्द्र। ७-३३ रात मे मासान्त। प्रजापत्य:।
सांक्रान्ति	५	कत	२	17	गुरु	अनू प्र	८ २६	च प्र	१४ ५०	७-३३ रात तुला में सूर्य मुहूर्त ३० समुद्रीय सांक्राति। आनन्दः।
१६	७	२	३	18	शुक्र	ज्ये प्र	५ ०	पं प्र	६ ४३	८-३ रात धनु में चन्द्र और मूल प्रारम्भ। २-२५ दिन मे गण्डान्त
कन्या	१०	३	४	19	शनि	मू प्र	२ १४	ष प्र	५ १४	१-१७ रात कन्या में भौम। कुमार षष्ठी। ६-५६ शां तक मूल
भौम	१३	४	५	20	रवि	पूष प्र	० १८	स प्र	१ ३२	११-५७ रात मकर में चन्द्र। शूलम् १-४३ रात तक। चरः।
	१५	५	६	21	सोम	उष दि	२६ ४४	अ दि	२६ ४५	**दुर्गाष्टमी**। मृत्युः।
	१८	६	७	22	भौम	श्र दि	२६ ४१	न दि	२४ ३०	**महानवमी**। बुध उदय। प्रलापकः।
	२०	७	८	23	बुध	धं प्र	० ३३	द दि	२४ ६	५-४३ प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक प्रारम्भ। **दसेरा**। मैत्रम्।
	२३	८	९	24	गुरु	श प्र	३ ४	ए दि	२५ ०	जया ११। वज्रम्।
	२५	९	१०	25	शुक्र	पूभ प्र	६ ४८	द्वा दि	२७ ८	२.१६ मीन में चन्द्र दिन। ध्वांक्षः
वृश्चिक बुध	२७	१०	११	26	शनि	उभ प्र	११ ३५	त्रो प्र	३ १५	७-३१ प्रातः वृश्चिक में बुध। धौम्यः। प्रवर्धः।
	२९	११	१२	27	रवि	रे प्र	१७ ११	चं प्र	७ ३३	६-० शां से गण्डान्त। १२-४६ रात मेष चन्द्र और पंचक समाप्त।
	३१	१२	१३	28	सोम	अ प्र	२३ ३०	पू प्र	१२ ३१	७-२६ प्रातः तक गण्डान्त। वाल्मीकी जयंती। **चन्द्रग्रहण**। क्षयः।

श्राद्ध :- प्रतिपद् पहले दिन। तृतीया से अष्टमी तक अपने दिन। नवमी से द्वादशी तक पहले दिन। त्रयोदशी से पूर्णिमा तक अपने दिन

मध्याह्न :- प्रतिपद् पहले दिन। तृतीया से पूर्णिमा तक अपने दिन।

यात्रा मुहूर्त :- १८ अक्टूबर पश्चिम विना यात्रा। १९, पूर्व विना। २०, पू० उ० ' २१, पू० विना। २२ पूर्व दक्षिण। २३, पू० पश्चिम। २४, पूर्व पश्चिम। २५, पू० उ०। २६, उ० पश्चिम। २७, पू० उत्तर यात्रा। २८, पू० विना यात्रा।

वि० सं० २०४२। कार्तिक कृष्णपक्ष। तुला में सूर्य, केतु। कन्या में भौम, शुक्र। मकर में बृहस्पति। वृश्चिक में बुध शनि। मेष में राहु। (२६ अक्टूबर से १२ नवम्बर तक शरद् ऋतु) दक्षिणायण

	राघं	कत	ह्रिच	अक्टू	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घड़ी	पल	
	३४	१३	१४	29	भौम	भर	प्र	३०	३	प्र	प्र	१७	४८	मज्ञा:। ● दिवस। महावीर जयन्ती ध्वज:।
	३६	१४	१५	30	बुध	कृ	प्र	३३	१२	द्वि	प	२२	५८	१२-३२ दिन वृष में चन्द्र। सिद्ध:।
१६	३८	१५	१६	31	गुरु	कृ	दि	३	६	तृ	प्र	२७	३४	अलापक:।
	४०	१६	१७	नवं	शुक्र	रो	दि	८	४७	चं	प्र	३१	१२	११-४३ रात मिथुन में चन्द्र। संकट चतुर्थी। मंत्रम्।
	४२	१७	१८	2	शनि	मृ	दि	१३	३१	पं	प्र	३३	२४	दिन अधिक। वज्रम्।
	४५	१८	१६	3	रवि	आ	दि	१६	१४	पं	दि	०	३४	शनि अस्त। ध्वज:।
तुला	४७	१६	२०	4	सोम	पुन	दि	१६	४६	ष	दि	१	५७	६-८ दिन कर्क में चन्द्र। ४-४२ दिन तुला में शुक्र। धौम्य:।
शुक्र	४६	२०	२१	5	भौम	ति	दि	२१	०	स	दि	२	५	प्रवर्ध:। क्षय:।
	५१	२१	२२	6	बुध	अ.	दि	२१	१	अ	दि	०	५७	३-३६ दिन सिंह में चन्द्र। ६-४२ दिन से गण्डान्त❀ ध्यहः। दिन कम।
	५४	२२	२३	7	गुरु	म	दि	१६	५६	द	प्र	२६	१	गज:। ❀ ६-३६ रात तक
	५६	२३	२४	8	शुक्र	पू	दि	१७	४६	ए	प्र	२४	५१	८-११ रात कन्या में चन्द्र। रमा एकादशी। सिद्ध:।
	५८	२४	२५	9	शनि	उ	दि	१५	४	द्वा	प्र	२०	३	गोवत्सा पूजा। उन्मूलनम्।
१७	०	२५	२६	10	रवि	ह	दि	११	३८	त्रयो	प्र	१४	४०	११-१३ रात तुला में चन्द्र। मानमम्।
	२	२६	२७	11	सोम	चि	दि	७	४७	चं	प्र	८	५४	६-१५ रात चन्द्र अस्त। चन्द्र मास। मुद्गरम।
दीपमाला	५	२७	२८	12	बुध	स्वा	दि	३	३६	अ	प्र	३	४	१-३४ रात वृश्चिक में चन्द्र। दीपमाला। महर्षि दयानन्द निर्वाण ●

श्राद्ध:- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन। षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन। दशमीमें अमावसी तक अपने दिन।

मध्याह्न:- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन। षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन। दशमी से अमावसी तक अपने दिन।

यात्रामुहूर्त :- ३१ अक्टूबर पू० पश्चिम यात्रा। १ नवंबर पश्चिम विना। ३, १-४३ दिन में उत्तर पूर्व। ४, पू० विना। ५, ३-३६ दिन तक पूर्व दक्षिण। ७, ३-१४ दिन से पू० पश्चिम। ८, पश्चिम विना। ६, पू० विना। १० नवंबर उ० पश्चिम यात्रा।

ई० सं 1985 । कार्तिक शुक्लपक्ष । तुला में सूर्य, शुक्र, केतु । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में बुध, शनि । मेष में राहु । कन्या में भौम

(ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)

(१३ नवंबर से २७ नवम्बर तक हेमन्त ऋतु) दक्षिणायण

	राघं	कत	हिज	नवं	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	
	७	२८	२६	13	बुध	अनू	प्र	२६	४८	प्र	दि	२३	३	गोवर्धन पूजा । अन्नकूट । सौम्य: । ● बाल दिवस । चन्द्रदर्शन । कालदण्ड:
१७	६	२६	३०	14	गुरु	ज्ये	प्र	२६	१०	द्वि	दि	१७	२८	४-५ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । १०-२८ रात से गण्डान्त । ●
	११	३०	रवी	15	शुक्र	मू	प्र	२३	१५	तृ	द्वि	१२	२२	६-५१ दिन गण्डान्त । ५-१५ शां से मासान्त । २-५५ रात तक मूल । स्थिर:
संक्रान्ति		मग	२	16	शनि	पू०	प्र	२२	३२	च	दि	७	५३	५-१७ शा वृश्चिक में सूर्य मुहूर्त ३० दरपाई । संक्रांति व्रत । मातंग: ।
	१६	२	३	17	रवि	उ०	प्र	१६	४४	पं	दि	४	१०	कुमार षष्ठी । ७-५४ प्रात: मकर में चन्द्र । अमृतम् ।
	१८	३	४	18	सोम	श्र	प्र	१६	२६	ष	दि	१	२८	व्यह: । सिद्ध: । उन्मूलम ।
	२०	४	५	19	भौम	धं	प्र	२०	३२	स	प्र	३४	१६	१-५८ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । गोपाल अष्टमी ।
	२२	५	६	20	बुध	श	प्र	२२	४४	न	प्र	३४	४४	दिन अधिक । सत्ययुग जन्म । मानसम् ।
	२५	६	७	21	गुरु	पूभ	प्र	२६	१८	न	दि	०	३८	६-४५ रात मीन में चन्द्र । मुद्गरम । स्थिर: ।
	२६	७	८	22	शुक्र	उभ	प्र	३२	२७	द	दि	३	२	ध्वज: ।
	२७	८	९	23	शनि	रे	प्र	३४	५४	ए	दि	६	३०	हरिबोधिनी एकादशी । १-२६ रात से गण्डान्त । प्रजापत्य: ।
	२८	९	१०	24	रवि	रे	दि	१	२	द्वा	दि	१०	४४	८-४ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । शिवस्वाप । प्रवर्ध:
	२९	१०	११	25	सोम	अ	दि	७	३५	त्रौ	दि	१५	४६	क्षय: । ☞ १-३६ दिन तक गण्डान्त ।
	३०	११	१२	26	भौम	भ	दि	१४	०	चं	दि	२१	२	७-४३ शां वृष में चन्द्र । गज: ।
	३१	१२	१३	27	बुध	कृ	दि	२०	१९	पूं	प्र	१	१५	श्री गुरुनानक जयन्ती । सिद्ध: * पहले दिन । त्रयोदशी से पूर्णिमा अपने दिन

श्राद्ध :- प्रतिपद् से षष्ठी तक पहले दिन । अष्टमी, नवमी अपने दिन । दशमी से चतुर्दशी तक पहले दिन । पूर्णिमा अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन । चतुर्थी से षष्ठी तक पहले दिन । अष्टमी, नवमी अपने दिन । दशमी से द्वादशी तक *

यात्रा मुहूर्त :- १३ नवंबर उ० बिना यात्रा । १४, पू० पश्चिम । १७, पू० उत्तर १८, पू० बिना । १९, पूर्व यात्रा । २०, पू० पश्चिम २१, पूर्व पश्चिम । २२, पू० उत्तर । २३, उ० पश्चिम । २४, उ० पूर्व । २५, पू० बिना १०-३२ तक ।

वि० सं० २०४२। मार्ग कृष्णपक्ष। वृश्चिक में सूर्य, बुध, शुक्र, शनि।

कन्या में भौम। मकर में बृहस्पति। मेष में राहु। तुला में केतु। (२८ नवं से ११ दिस तक (हेमन्त ऋतु)

	रार्ष	मग	हि.	नवं	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	
वृश्चिक	३१	१३	१४	28	गुरु	रो	प्र	१	११	प्र	प्र	५	५१	2 दिन वृश्चिक में शुक्र । उन्मूलम् ।
शुक्र १७	३२	१४	१५	29	शुक्र	मृ	प्र	६	१७	द्वि	प्र	९	३९	७-१ प्रातः मिथुन में चन्द्र । मानसम् ।
	३३	१५	१६	30	शनि	आ	प्र	१०	१७	तृ	प्र	१२	२१	मुद्गरम् ।
	३४	१६	१७	दिस	रवि	पुन	प्र	१३	१२	च	प्र	१३	४९	४-२५ दिन कर्क में चन्द्र । संकट चतुर्थी । ध्वजः ।
	३५	१७	१८	2	सोम	ति	प्र	१४	४७	पं	प्र	१३	४७	ग्र जापस्य: ।
	३६	१८	१९	3	भौम	अ.	प्र	१५	०	ष	प्र	१२	४९	११-३३ रात सिंह में चन्द्र । ५-३५ शां से गण्डान्त । आनन्दः ।
	३७	१९	२०	4	बुध	म	प्र	१४	२०	स	प्र	१०	२८	५-३३ प्रातः तक गण्डान्त । आनन्दः ।
	३८	२०	२१	5	गुरु	पू	प्र	१२	३१	अ	प्र	७	६	४-१३ रात कन्या में चन्द्र । मुसलम् ।
	३९	२१	२२	6	शुक्र	उ	प्र	९	५३	न	प्र	२	५३	शूलम् । ७-२० प्रातः तुला में चन्द्र ।
	४०	२२	२३	7	शनि	ह	प्र	६	३८	द	द्वि	२२	५१	मृत्युः ।
तुला भौम	४१	२३	२४	8	रवि	चि	प्र	२	५२	ए	दि	१७	१६	४-४३ दिन तुला में भौम । उत्पन्ना ११ । काम्यः ।
	४२	२४	२५	9	सोम	स्वा	दि	२३	२६	द्वा	दि	११	३२	शनि उदय । छत्रम् ।
	४३	२५	२६	10	भौम	वि	दि	१९	२५	त्रो	दि	५	४०	९-४७ दिन वृश्चिक में चन्द्र । न्यहः । श्रीवत्सः ।
	४४	२६	२७	11	बुध	अनु	दि	१५	२०	अ	प्र	२९	४९	बुध मास । सौम्यः ।

श्राद्धः- प्रतिपद् से दशमी तक अपने दिन । एकादशी, द्वादशी त्रयोदशी पहले दिन । अमावसी अपने दिन ।

मध्याह्नः- प्रतिपद् से द्वादशी तक अपने दिन त्रयोदशी पहले दिन । अमावसी अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- २८ नवंबर पूर्व पश्चिम यात्रा । २९, पश्चिम विना । १ दिसम्बर पू० उ० । २, पू० विना । ५, पू० पश्चिम । ६, पश्चिम विना । ७, पूर्व विना यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१। मार्ग शुक्लपक्ष। वृश्चिक में सूर्य, बुध, शुक्र, शनि।

तुला में भौम, केतु मकर में बृहस्पति। मेष में राहु। (१२ दिसम्बर से २७ दिसम्बर तक हेमन्त ऋतु) दक्षिणायण।

	राष	मग	हिज	दिस	वार	नक्षत्र		घडो पल		तिथि		घडो पल		
	४४	२७	२८	12	गुरु	ज्ये	दि	११	४१	प्र	प्र	२४	४१	६-३४ प्रातः से ५-५४ शां तक गण्डान्त। १२-१८ दिन धनु में चन्द्र
१.७	४५	२८	२९	13	शुक्र	मू	दि	८	३४	द्वि	प	२०	२१	चन्द्रदर्शन। स्थिरः और मूल आरम्भ। कालदण्डः।
	४६	२९	रवी	14	शनि	पूष	दि	३	५७	तृ	प्र	१६	५४	३-५३ दिन मकर में चन्द्र। मातंगः।
	४७	पौष	२	15	रवि	उष	दि	४	३२	च	प्र	१४	२३	५-१० प्रातः से मासान्त। अमृतम्।
संक्रान्तिः		२	३	16	सोम	श्र	दि	४	०	प	प्र	१३	३	५-१० प्रातः धनु में सूर्य मुहूर्त ३० किनारी संक्रान्ति। ६-१५ रात
	४९	३	४	17	भौम	धं	दि	४	३९	ष	प्र	१२	५६	कुमार ६। उन्मूलम्।
	५०	४	५	18	बुध	श	दि	६	३२	स	प्र	१४	१०	मानसम्। कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। सिद्धः।
	५१	५	६	19	गुरु	पूभ	दि	९	३९	अ	प्र	१६	३८	५-६ प्रातः मीन में चन्द्र। मुद्गरम्।
	५२	६	७	20	शुक्र	उभ	दि	१३	५८	न	प्र	२०	९	छत्रः। ६-५३ रात तक। ४-४७ दिन उत्तरायण। प्रजापत्यः।
	५२	७	८	21	शनि	रे	दि	१९	१	द	प्र	२४	५१	३-२१ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। ८-५१ दिन से गण्डान्त
	५१	८	९	22	रवि	अ	प्र	०	५५	ए	प्र	२९	४६	मोक्षदा ११। सीता जयंती। गीता जयंती। आनन्दः।
धनु शुक्र	५०	९	१०	23	सोम	भर	प्र	७	१८	द्वा	प्र	३५	१७	धनु में शुक्र २-२८ दिन। २-५६ रात वृष में चन्द्र। चरः।
	४९	१०	११	24	भौम	कृ	प्र	१३	४५	त्रो	प्र	३५	३८	दिन अधिक, मुसलम्।
	४९	११	१२	25	बुध	रो	प्र	१९	४५	त्रो	दि	४	४८	६-२० शां शुक्रास्त। क्रिस्मसडे। शूलम्।
शुक्र	४८	१२	१३	26	गुरु	मृ	प्र	२४	५७	चं	दि	९	१८	२-१८ दिन मिथुन में चन्द्र। दत्तात्रेय जयंती। मृत्युः।
अस्त	४७	१३	१४	27	शुक्र	आ	प्र	२९	९	पू	दि	१३	५	काम्यः।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से त्रयोदशी तक अपने दिन। चतुर्दशी, पूर्णिमा पहले दिन।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से त्रयोदशी तक अपने दिन। चतुर्दशी, पूर्णिमा पहले दिन।

यात्रा मुहूर्तः- १२ दिसम्बर पूर्व पश्चिम। १३, पश्चिम बिना। १६, पू० बिना। १७, पू० यात्रा। १८, पूर्व पश्चिम। १९, पू० पश्चिम। २०, पश्चिम बिना। २१, उ० पश्चिम। २२, पूर्व उ०। २५, पू० पश्चिम। २६, पू० पश्चिम।

वि० सं० २०४२। पौष कृष्णपक्ष। धनु में सूर्य, शुक्र। तुला में भौम,केतु।

मकर में बृहस्पति। वृश्चिक में बुध, शनि। मेष में राहु। २८ दिसम्बर से १० जनवरी तक (हेमन्त ऋतु)

	राघ	पोप	हि.	दिस	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	(ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)
	४६	१४	१५	28	शनि	पुं	प्र	३२	१६	प्र	दि	१५	४०	११.४ रात कर्क में चन्द्र। मातृका पूजा। मुंजहर तहर। वज्रम्।
	४५	१५	१६	29	रवि	ति	प्र	३४	८	द्वि	दि	१७	१८	श्रीवत्स:।
१७	४४	१६	१७	30	सोम	श्र.	प्र	३४	४२	तृ	दि	१७	५	१-१८ रात से गण्डान्त। संकट चतुर्थी। सौम्य:।
	४३	१७	१८	31	भौम	म	प्र	३४	५१	च	दि	१५	५३	१-१५ दिन तक गण्डान्त। ७१७प्रात: सिंह में चन्द्र। कालदण्ड:।
	४२	१८	१९	जन	बुध	पू	प्र	३२	३३	पं	दि	१३	२९	जनवरी 1986 ई०। स्थिर:।
धनु	४१	१९	२०	2	गुरु	उ	प्र	३०	५	ष	दि	१०	५	१२-१२ दिन कन्या में चन्द्र। धनु में बुध ७-५२ शां। मातंग:।
बुध	४०	२०	२१	3	शुक्र	ह	प्र	२६	५३	स	दि	५	५०	अमृतम्।
	३९	२१	२२	4	शनि	चि	प्र	२३	१२	अ	दि	१	०	३-२८ दिन तुला में चन्द्र। त्र्यह:। महाकाली जयंती। काण्ड:।
	३९	२२	२३	5	रवि	स्वा	प्र	१९	१४	व	प्र	२५	९	आनन्देश्वर भैरव जयन्ती। अलापक.।
	३८	२३	२४	6	सोम	वि	प्र	१५	४	ए	प्र	१९	१६	५-५३ शां वृश्चिक में चन्द्र। सफला ११। मंत्रम्।
	३७	२४	२५	7	भौम	अनु	प्र	११	०	द्वा	प्र	१३	२८	वज्रम्। रात तक गण्डान्त। ध्वांक्ष:।
	३६	२५	२६	8	बुध	ज्ये	प्र	७	१५	त्रौ	प्र	८	१	८-२३ शां धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। १२-४० दिन से २-२१
	३५	२६	२७	9	गुरु	मू	प्र	४	०	चं	प्र	३	५	६-४२ रात चन्द्रास्त। ७-४ शां तक मूल। धौम्य:।
	३४	२७	२८	10	शुक्र	पूप	प्र	१	२२	अं	दि	२३	४०	११-४६ रात मे मकर में चन्द्र। शुक्र मास। यक्षामावसी। प्रवर्ध:।

श्राद्ध:- प्रतिपद् से अष्टमी तक पहले दिन। दशमी मे अमावसी तक अपने दिन।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन। षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन। दशमी से अमावसी तक अपने दिन।

यात्रा मुहूर्त :- २८ दिसम्बर पूर्व विना यात्रा। २९, पू० उ०। १ जनवरी उ० विना। २, पू० पश्चिम। ३, पश्चिम विना। ७ पू० दक्षिण। ८, उ० विना। ९, पूर्व पश्चिम यात्रा।

वि० सं० २०४२ । पौष शुक्लपक्ष । धनु में सूर्य, बुध, शुक्र । तुला में भौम केतु । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । मेष में राहु ।

	राष्ट्र	पौष	हि.	जन	वार	नक्षत्र		घड़ी पल		तिथि		घड़ी पल		(११ जनवरी से २५ जनवरी तक) (शिशिर ऋतु)
	३३	२८	२६	11	शनि	उष	दि	२४	३०	प्र	दि	२०	१६	क्षयः । ● शूलम् ।
१७ मकर	३२	२६	३०	12	रवि	श्र	दि	२३	४४	द्वि	दि	१७	५३	मुसलम् । चन्द्रदर्शन मकर में शुक्र । मृत्युः ।
शुक्र	३१	३०	जमी	13	सोम	धं	दि	२४	७	तृ	दि	१६	३८	६-६ दिन से मामान्त । ५-१ प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । ●
संक्रान्ति		माघ	२	14	मोम	श	प्र	०	४५	च	दि	१६	४०	१-६ दिन मकर में सूर्य । मुहूर्त १५ समुद्रीय संक्रान्ति । ४ ३६ दिन
	२६	२	३	15	बुध	पूभ	प्र	३	३६	पं	दि	१८	०	१२-३८दिन मीन में चन्द्र । कुमार ६ व्रत । काम्यः ।
	२८	३	४	16	गुरु	उभ	प्र	७	३६	ष	दि	२०	३६	वज्रम् । ✻ बुध अस्त । श्री गुरु गोविन्द जयंती । श्रीवत्सः ।
	२७	४	५	17	शुक्र	रे	प्र	१२	३८	स	दि	२४	१३	१०-३५ रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । ४-२ दिन से गण्डान्त ✻
मकर	२७	५	६	18	शनि	अ	प्र	१८	३१	अ	प्र	३	४३	५-२२ प्रातः तक गण्डान्त । १०-० रात मकर में बुध । सौम्यः ।
बुध	२६	६	७	19	रवि	भर	प्र	२४	५२	न	प्र	८	५३	२-१० दिन कुम्भ में बृहस्पति । कालदण्डः ।
कुम्भ	२४	७	८	20	सोम	कृ	प्र	३१	१६	द	प्र	१४	१२	१०-२ दिन वृष में चन्द्र । स्थिरः ।
गुरु	२१	८	६	21	मोम	रो	प्र	३४	४१	ए	प्र	१६	१६	पुत्रदा ११ । मातंगः ।
	१६	६	१०	22	बुध	रो	दि	२	३६	द्वा	प्र	२३	४८	६-३६ रात मिथुन में चन्द्र । बुध द्वादशी । शूलम् ।
	१७	१०	११	23	गुरु	मृ	दि	८	८	त्रो	प्र	२६	४४	मृत्युः ।
	१५	११	१२	24	शुक्र	आ	दि	१२	४०	चं	प्र	२६	४५	काम्यः ।
	१२	१२	१३	25	शनि	पुन	दि	१६	६	पं	प्र	३०	५५	७-३३ प्रातः कर्क में चन्द्र । मलापकः ।

श्राद्ध - प्रतिपद् से सप्तमी तक पहले दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

मध्याह्न – प्रतिपद से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ११ जनवरी पू० विना यात्रा । १२, पू० उ० । १५, पू० पश्चिम । १६, पू० पश्चिम । १७, पूर्व उ० ८, पूर्व विना २१, पूर्व दक्षिण । २२, उ० विना । २३, पू० उत्तर । २५, पू० विना यात्रा ।

ई० सं 1986। माघ कृष्णपक्ष। मकर में सूर्य, बुध, शुक्र। वृश्चिक में भौम, शनि। कुम्भ में बृहस्पति। मेष में राहु। तुला में केतु।

२६ जनवरी से ८ फर्वरी तक (शिशिर ऋतु)

	रार्ध	माघ	हिज	जन	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	
	१०	१३	१४	26	रवि	ति	दि	१८	१८	प्र	प्र	३०	४५	श्रीवत्सः। [illegible] दिन वृश्चिक में भौम। सौम्यः।
९.१	८	१४	१५	27	सोम	अ.	दि	१९	१३	द्वि	प्र	२९	२२	३-२ दिन सिंह में चन्द्र। ९-१ दिन से गण्डान्त ९-५ रात तक।। २-४४ [illegible]
वृश्चिक	६	१५	१६	28	भौम	म	दि	१८	५७	तृ	प्र	२६	४९	कालदण्डः।
भौम	३	१६	१७	29	बुध	पू	दि	१७	३९	च	प्र	२३	१७	८-११ रात कन्या में चन्द्र। संकटचतुर्थी। स्थिरः।
	१	१७	१८	30	गुरु	उ	दि	१५	२४	पं	प्र	१८	५७	महात्मा गान्धी श्राद्ध। मातंगः।
१६	५९	१८	१९	31	शुक्र	ह	दि	१२	२७	ष	प्र	१३	५१	११ ३५ रात तुला में चन्द्र। अमृतम्।
	५७	१९	२०	फर्व	शनि	चि	दि	८	५६	स	प्र	८	१७	साहिब सप्तमी। काण्डः।
	५४	२०	२१	2	रवि	स्वा	दि	५	४	अ	प्र	२	२९	२-११ रात वृश्चिक में चन्द्र। अलापकः। [illegible] बुध। ध्वजः।
	५२	२१	२२	3	सोम	वि	दि	१	०	न	दि	२२	४९	मैत्रम्। मुद्गरम्।
	५०	२२	२३	4	भौम	ज्ये	प्र	२६	४८	द	दि	१७	८	१० ४८ रात से गण्डान्त। ४-२७ रात मे धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ
कुम्भ	४८	२३	२४	5	बुध	मू	प्र	२३	२३	ए	दि	११	४५	२-१८ रात तक मूल। १०११- दिन तक गण्डान्त। ३-१० रात कुम्भ में
बुध	४६	२४	२५	6	गुरु	पू०	प्र	२०	३२	द्वा	दि	६	५२	श्रीवत्सः। ★ शिव चतुर्दशी एक। बृहस्पति अस्त १२-२५ दिन ✱
गुरु	४३	२५	२६	7	शुक्र	उ०	प्र	१८	२९	त्रौ	दि	२	४०	७.४९ प्रातः मकर में चन्द्र। ६-४६ प्रातः कुम्भ में शुक्र। ★
कुम्भ	४२	२६	२७	8	शनि	श्र	प्र	१७	२८	अ	प्र	३०	२२	द्वापरयुग जयन्ती। स्थिरः।

शुक्र

श्राद्ध :- प्रतिपद् से नवमी तक अपने दिन। दशमी से त्रयोदशी तक पहले दिन। अमावसो अपने दिन। ✱ त्र्यहः। आनन्दः।

मध्य. ह्न :- प्रतिपद् से एकादशी तक अपने दिन। द्वादशी, त्रयोदशी पहले दिन। अमावसी अपने दिन।

यात्रा मुहूर्त:- २६ जनवरी पू० उ० यात्रा। २९, उत्तर विना। ३०, पू० पश्चिम। ३१, पश्चिम विना। ४ फर्वरी पू० दक्षिण। ५, उत्तर विना। ६, पूर्व पश्चिम। ७, पश्चिम विना।

सप्त० सं ५०६१ । माघ शुक्लपक्ष । मकर में सूर्य । वृश्चिक में भौम,

शनि । कुम्भ में बुध बृहस्पति, शुक्र । मेष में राहु । तुला में केतु । ९ फवरी से १४ फरवरी तक (शिशरऋतु) उत्तरायण

(ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में) मातंगः ।

	राघं	माघ	हिज	फर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	
	३९	२७	२८	9	रवि	घं	प्र	१७	२२	प्र	प्र	२९	५	१२-४८ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । सूर्य स्नास । सूर्य वर्ष
	३७	२८	२९	10	सोम	श	प्र	१८	४५	द्वि	प्र	२९	१३	चन्द्रदर्शन । अमृतम् । काण्ड: ।
१६	३४	२९	जमी	11	भौम	पूभ	प्र	२१	२३	तृ	प्र	३०	३१	८-९ रात मीन में चन्द्र । ११-४७ रात से मासान्त गौरी तृतीया ।
संक्रान्ति		फा	२	12	बुध	उभ	प्र	२५	९	च	प्र	३३	४	११-४७ रात कुम्भ में सूर्य मुहूर्त ४५ दरयाई । त्रिपुरा चतुर्थी शुक्र उदय
	३०	२	३	13	गुरु	रे	प्र	२९	५७	च	दि	०	३	११-२० रात से गण्डान्त मैत्रम् ।
	२८	३	४	14	शुक्र	अ	प्र	३२	५६	पं	दि	३	४९	५ ५२ प्रातः मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । १२-२५ दिन तक गण्डान्त
	२५	४	५	15	शनि	भ	दि	२	४६	ष	दि	८	२६	सौम्यः । वसन्त पंचमी । वज्रम् ।
	२३	५	६	16	रवि	म	दि	८	५२	स	दि	१३	२५	५-१६ शां वृष में चन्द्र । मार्तण्ड जयती । कालदण्डः ।
	२१	६	७	17	सोम	कृ	दि	१५	३२	अ	दि	१८	५६	भीष्म अष्टमी । कालदण्डः ।
	१९	७	८	18	सोम	रो	वि	२१	४८	न	दि	२४	०	४-५३ रात मिथुन में चन्द्र । मातंगः ।
	१६	८	९	19	बुध	मृ	प्र	०	१	द	प्र	०	५६	अमृतम् । ४-० दिन । दिन अधिक संक्राति । अलापकः ।
	९	९	१०	20	गुरु	आ	प्र	४	४०	ए	प्र	४	१८	भीममीन एकादशी । काण्ड: ।
	११	१०	११	21	शुक्र	पुं	प्र	९	८	द्वा	प्र	६	४०	३-० दिन कर्क में चन्द्र । अलापकः ।
	८	११	१२	22	शनि	ति.	प्र	१०	४९	त्रौ	प	७	४२	मैत्रम् । यक्षिणी १४ । वज्रम् ।
	५	१२	१३	23	रवि	अ	प्र	११	५४	चं	प्र	७	२३	४-४१ रात सिंह में चन्द्र । ४-४१ दिन से ४-५४ रात तक गण्डान्त
	२	१३	१४	24	सोम	म	प्र	११	५०	पूं	प्र	५	५०	फाववर्णिमा । दत्तात्रेय जयंती । ध्वांक्षः ।

गुरु उदय

श्राद्ध :- प्रतिपद् से चतुर्थी तक अपने दिन । पंचमी से नवमी तक पहले दिन । दशमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से चतुर्थी तक अपने दिन । पंचमी से सप्तमी तक पहले दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ९ जनवरी पू० विना । १०, उ० पश्चिम । १३, पूर्व पश्चिम । १४, पश्चिम विना । १८, पू० दक्षिण । १९, उ० विना २१, पश्चिम विना । २२, पू० विना यात्रा ।

ई० सं 1986 । फाल्गुण कृष्णपक्ष । कुम्भ में सूर्य, बृहस्पति, शुक्र ।

वृश्चिक में भौम शनि । मीन में बुध । मेष में राहु तुला में केतु २५ फर्वरी से १० मार्च तक शिशिर ऋतु उत्तरायण

	माघ	फाग	हिज	फर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	
१६	०	१४	१५	25	भौम	पू	प्र	१०	२४	प्र	प्र	३	७	४-१२ रात कन्या में चन्द्र । धौम्य: ।
१५	५७	१५	१६	26	बुध	उ	प्र	८	२६	द्वि	दि	२७	३१	११.४७ दिन मीन में बुध । प्रवर्ध: ।
मीन	५४	१६	१७	27	गुरु	हु	प्र	५	३४	तृ	दि	२३	५	संकट चतुर्थी । क्षय: । ● नक गण्डान्त । मुद्गरम ।
बुध	५२	१७	१८	28	शुक्र	चि	प्र	२	४	च	दि	१८	२	७-१० दिन तुला में चन्द्र । चर:
	४९	१८	१९	मार्च	शनि	स्वा	दि	२६	३१	पं	दि	१२	२१	सिद्ध: ।
	४६	२९	२०	2	रवि	वि	दि	२२	३०	ष	दि	६	४७	१०-१३ दिन वृश्चिक में चन्द्र । उन्मूलम् ।
मीन	४४	२०	२१	3	सोम	अनू	दि	१८	२५	स	दि	०	५३	८-२४ रात मीन में शुक्र । ध्वह: । दिन कम । मानसम् ।
शुक्र	४१	२१	२२	4	भौम	ज्ये	दि	१४	३४	न	प्र	२१	६	१२-३६ दिन धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । ७-० प्रात: से ६-१३ शा●
	३८	२२	२३	5	बुध	मू	दि	११	८	द	प्र	१६	६	११-१३ दिन नक मूल । ध्वज: ।
	३६	२३	२४	6	गुरु	पू०	दि	८	१६	ए	प्र	११	४६	३-४८ दिन मकर में चन्द्र । विजया एकादशी । प्रजापत्य: ।
शिवरात्रि	३३	२४	२५	7	शुक्र	उ०	दि	६	८	द्वा	प्र	८	२०	आनन्द: । ❀ स्थिर: ।
	२९	२५	२६	8	शनि	श्र	दि	४	५७	त्रौ	प्र	५	५७	८-३३ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । शिवरात्रि वो ❀
	२८	२६	२७	9	रवि	धं	दि	४	४८	चं	प्र	४	३८	शिव चतुर्दशी वो २-६ रात <u>बृहस्पति उदय</u> । मातंग: ।
गुरु उदय	२५	२७	२८	10	सोम	श	दि	५	५३	अ	प्र	४	५२	३-८ रात मीन में चन्द्र । अमृतम् ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् द्वितीया अपने दिन । तृतीया से सप्तमी तक पहले दिन । नवमी से अमावसी तक अपने दिन ।

मध्याह्न:- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन । षष्ठी सप्तमी पहले दिन । नवमी से अमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त - २५ फरवरी पू० दक्षिण । २६, उत्तर बिना । २७, पू० पश्चिम । ३ मार्च पू० बिना । ४, पूर्व दक्षिण । ५, उ० बिना ६, पू० पश्चिम । ७, पश्चिम बिना । ८, पू० बिना । ९, पू० उत्तर यात्रा ।

सप्त० सं ५०६१। फाल्गुण शुक्लपक्ष। कुम्भ में सूर्य, बृहस्पति। वृश्चिक में भौम, शनि। मीन में बुध, शुक्र। मेष में राहु। तुलामें केतु।

२१ मार्च से २६ मार्च तक (वसन्त ऋतु) उत्तरायण

	राधं	फा	हिज	मार्च	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	(ग्रहसंचार बजे और मिन्टों में)
१५	२२	२८	२६	11	भौम	पूभ	दि	८	१३	प्र	प्र	६	७	भौम मास। अमृतम्।
	२०	२६	३०	12	बुध	उभ	दि	११	४६	द्वि	प्र	८	४७	चन्द्रदर्शन। प्रलापकः।
	१६	चैत्र	शाब	13	गुरु	रे	दि	१६	२७	तृ	प्र	१२	१६	१-१२ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। ६-४१ प्रातः से [redacted]
सांक्रान्ति	१४	२	२	14	शुक्र	अ	दि	२२	१	च	प्र	१६	४६	७-६ रात मीन में सूर्य मूहूर्त १५ किनारी सांक्रान्ति। वज्रम्। सोन्त
	१२	३	३	15	शनि	भर	दि	२८	५३	पं	प्र	२१	५३	१२-३१ रात वृष में चन्द्र। ध्वांक्षः।
	६	४	४	16	रवि	कृ	प्र	५	१	ष	प्र	२७	४	कुमार षष्ठी व्रत। धौम्यः।
	६	५	५	17	सोम	रो	प्र	११	६	स	प्र	३०	१२	दिन अधिक। प्रवर्धः [redacted], गण्डान्त ७-४१ शां तक मैत्रम् धालबरण।
	४	६	६	18	भौम	मृ	प्र	१७	८	स	दि	१	४०	तैलाष्टमी, होलाष्टमी। १२-११ दिन मिथुन में चन्द्र। क्षयः।
कुम्भ	२	७	७	19	बुध	आ	प्र	२२	१	अ	दि	६	१	कुम्भमें वक्री बुध ११-९ दिन से। बुधाष्टमी। गजः। मित्रः।
बुध १४	५६	८	८	20	गुरु	पुन	प	२५	५३	न	दि	६	२१	१०-३० रातकर्क में चन्द्र। ६-५३ रात को दिन रात तुल्य। नवरोज़ा।
धनु	५५	६	६	21	शुक्र	ति	प्र	२८	३५	द	दि	११	३३	धनु में भौम। ८-१३ दिन से। उन्मूनम्।
भौम	५४	१०	१०	22	शनि	अ.	दि	२६	४८	ए	दि	१२	३०	१२-२४ रात से गण्डान्त। मानसम्।
	५१	११	११	23	रवि	अ.	दि	०	१३	द्वा	दि	१२	११	१२-३५ दिन तक गण्डान्त। ६-३२ प्रातः सिंह में चन्द्र। वज्रम्।
	४६	१२	१२	24	सोम	म	दि	०	३०	त्रौ	दि	१०	३६	ध्वांक्षः।
	४६	१३	१३	25	भौम	उ	प्र	२७	२३	चं	दि	७	५५	१२-४ दिन कन्या में चन्द्र। होली। प्रजापत्यः।
	४३	१४	१४	26	बुध	ह	प्र	२४	३७	पूं	दि	४	१२	=यहः। आनन्दः।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन। अष्टमी से पूर्णिमा तक पहले दिन।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन। अष्टमी से पूर्णिमा तक पहले दिन। दक्षिण। २६, पश्चिम बिना यात्रा।

यात्रा मुहूर्त :- ११ मार्च पू० यात्रा। १२, पूर्व पश्चिम। १७, पू० बिना। २०, पू० पश्चिम। २१, पश्चिम बिना। २५, पू०

वि० सं० २०४२। चैत्र कृष्णपक्ष। मीन में सूर्य। कुम्भ में बुध, बृहस्पति

धनु में भौम। वृश्चिक में शनि। मेष शुक्र, राहु तुला में केतु (२७ मार्च से १९ अप्रेल तक) वसन्त ऋतु। उत्तरायण।

	रार्घ	चैत्र	हिज	मार्च	वार	नक्षत्र	घडी पल	तिथि	घडी पल	
मेष शुक्र १४	४१	१४	१५	27	गुरु	चि प्र	२१ १५	द्वि प्र	२३ ५९	३४.८ दिन तुला में चन्द्र। ११-७ रात मेष में शुक्र। चरः।
	३८	१५	१६	28	शुक्र	स्वा प्र	१७ २९	तृ प्र	१८ १८	मुग्दलम।
	३५	१६	१७	29	शनि	वि प्र	१३ १६	च प्र	१२ १६	६-२३शां वृश्चिक में चन्द्र। संकट चतुर्थी। शूलम्।
	३३	१७	१८	30	रवि	अनू प्र	९ ४	पं प्र	६ १६	मृत्युः। २-२२ रात तक। काम्यः।
	३०	१८	१९	31	सोम	ज्ये प्र	५ ५	ष प्र	० २२	८-४४ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। ३-८ दिन से गण्डान्त
	२८	१९	२०	अप्र.	भौम	मू प्र	१ २७	स दि	२५ ५६	७-१८ शां तक मूल। छत्रम्।
	२५	२०	२१	2	बुध	पू० दि	२९ ३०	अ दि	२१ १	११-४६ रात मकर में चन्द्र। श्रीवत्सः।
	२२	२१	२२	3	गुरु	उ० दि	२७ ११	न दि	१६ ४६	सौम्यः।
	२०	२२	२३	4	शुक्र	श्र दि	२५ ४४	द दि	१३ २२	४-२३ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। धौम्यः।
	१७	२३	२४	5	शनि	धं दि	२५ २२	ए दि	१० ०	पापमोचनी ११। प्रवर्धः।
	१४	२४	२५	6	रवि	श दि	२६ १०	द्वा दि	९ ५०	क्षयः।
	१२	२५	२६	7	सोम	पूभ दि	२८ १२	त्रौ दि	९ ५३	११-१४ दिन मीन में चन्द्र। गजः।
	९	२६	२७	8	भौम	उभ दि	३१ ३०	चं दि	११ १६	चैत्र चतुर्दशी। ८-२९ रात चन्द्रग्रस्त। सिद्धः। उन्मूलम्।
	७	२७	२८	9	बुध	रे प्र	४ ८	अं दि	१३ ५४	८-२९ रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। २-३ दिन से गण्डान्त

श्राद्ध :- द्वितीया से ७मी तक अपने दिन। अष्टमी से अमावसी तक पहले दिन।

मध्याह्न :- द्वितीया से नवमी तक अपने दिन। दशमी से अमावसी तक पहले दिन।

यात्रामुहूर्त :- ३० मार्च पू० उत्तर यात्रा। ३१ पू० विना। १ अप्रेल पूर्व दक्षिण। २, उ० विना। ३, पू० पश्चिम। ४, पश्चिम विना। ५, उ० पश्चिम। ६, पूर्व यात्रा। ७, उत्तर पश्चिम। ८, पू० यात्रा।

पञ्चपक्षीयः ... प्रत्यक्षैः ... स्पष्टाः ...

वैमापचरि

वैमापकुरि

कुरि

००१	०००	००१	००२	००८	००५	००६	००७	००३	इतिकर्कमान्तिः	००९	०१०	०१०	०१३	०१३
१ ०० १२ १० २० ०१ ५२ ५६	१ ० १८ १ १३ ६१ ८७ ०३	१ ० १५ ०८ १५ ०३ ८० २०	१ ० १६ ४६ ११ ११ २५ २	१ ० १७ ३ ०७ २० १७ ४३	१ ० १३ १० ६१ ८७ १२ ०२	१ १ १७ २ ०२ ०३ ६१ ७	२ १ ० ६१ ०० ० ७ ५	२ १ ० १३ ७ ५७ १ ०		२ ०१ १ ७ २ ९ ५५ २७	२ २ २ १५ २ २३ ५२ ७	२ ८ २ ९ ५७ १० ५२ १	२ ८ ८ १२ ५८ ०२ ५८ १७	२ ५ ५ ७ ५० ११ ३
५७ ११९ ५२ २	५६ ११२ ५८ ११	५६ ११३ ५८ ०२	५६ ११२ ५८ २१	५६ ११९ ५८ १५	५६ १२७ ५८ ८५	५६ ७८३ ५२ ५६	५६ ७६० ५२ ५३	५६ ७७६ ५२ ५२		५६ ७१९ ५२ २३	५६ ६.३ ५३ ९३	५७ ६११ ० ६५५	५७ ७१५ ० ६१५	५७ ६८ २ ८०
०१८	०१५	०१६	०१७	०१३	०१९	०२०	०२०	०२१	इतिकर्कमान्तिः	०२१	०२८	०२५	०२६	०२७
२ ५ ६ १० ८३ २५ ५३ २५	२ ६ ७ ५ ६१ ५८ ० ०१	२ ६ ३ १० ८२ ०२ ५ ९	२ ७ ९ ८ ८० १९ ९ ८०	२ ७ ०० ०३ २७ २९ ०५ ८६	१ ६ ०० १ २८ ८० १० ५७	२ ३ ०१ ६१ २० २० १३ २५	२ ९ ०२ ६ १३ ८७ ९ ८७	२ ९ ०८ ०२ १५ १७ ८८ ०९		२ ९ ०५ १३ ११ २१ ५२ १३	१ ०० १ ९ १० ३० २ २९	२ ०० ०७ १० ०७ ५६ ०५ ५८	२ ०० ०३ ८ ८ ३० १९ २	२ ०० ९९ ०६ ०० २२ ६६ २०
५७ ६५३ ९ १७	५७ ६५३ २ २९	५७ ६५३ ८ ५७	५७ ६५७ ६ २०	५७ ६५० ६ ६	५७ ६६० २ ००	५७ ६१९ ७ २३	५७ ६०२ ३ ०१	५७ ६० ६ २१		५७ ७३५ ९ ५	५७ ७६९ ०० ०५	५७ ७५५ ०३ ०५	५७ ७८६ ०८ ९	५७ ७३३ ०५ ३६

०२८	०२१	०८०	०६०	०६१	०८२	०८८	०८५	०८६	०८७	०८८	कर्कमान्तिः	०८९	०५०	०५०
२ ०० १० १३ ५ २९ ५९ ५६	२ ० १० ०० ६ ८१ ६१ ९	२ ० ११ ११ २ ८८ २८ ११	२ ० १२ ८ ० ५० ५१ १०	२ ० १२ ०७ ५६ २ ०१ ०२	२ ० १८ १९ ५५ १५ २१ २७	२ १ १५ ७० ५१ ५९ ५२ ५९	२ १ १९ १८ ५० ८६ ०५ ०८	२ २ १७ ७ ८७ ५१ २९ ०७	२ २ १६ १० ८५ ०० ८ ८९	२ ८ १९ ८ ८१ ८७ १९ २		८ ८ ० ०६ २९ २५ ५६ ५०	८ ८ ० १ २७ २९ १७ ०७	८ ८ १ ०८ २५ ८५ १ ५०
५७ ७८६ ०५ १५	५७ ७११ ०१ ०२	५७ ७११ ०६ ०२	५७ ७१५ ०३ ५६	५७ ७२१ १० ५७	५७ ७८१ १० १८	५७ ७५८ १० ११	५७ ७६३ ११ ०५	५७ १३८ १८ २८	५७ ७०९ १५ २१	५७ ३०५ १५ ०८		५७ ३१३ १७ ८७	५७ ६६० २० १७	५७ ६८९ २५ २९
०५१	०५२	०५८	०५५	०५६	०५७	०५८	०५९	०६०	०६०	०६१	तुलामान्तिः	०६२	०६८	०६५
८ ६ २ ० २१ ० २९ ५९	८ ६ ८ ०५ २० १० ०९ ५२	८ ६ ५ १९ १७ २९ ५६ ८५	८ ७ ६ ०२ १५ ५७ ८० २०	८ ७ ७ १७ १२ ५९ १५ ८६	८ ३ ३ ०० १० ५६ ०० ०	८ ३ ९ १५ ०३ २९ ५६ ५०	८ ९ ०० ९ ६१ ९ ८७ १२	८ ९ ०० ११ ०८ १३ २० ३	८ ०० ०३ ५ ०३ १० १० ८	८ ०० १७ ०३ ०० ३ १२ ५२		८ ०० ०८ ० ३ २२ ११ २९	८ ०० ०५ ०१ ६ ५० ०९ ५३	८ ०० ०९ १५ ८ ० ०९ ५०
५७ ६५२ २७ ९	५७ ६५३ २३ ५७	५७ ६५३ ८० ६९	५७ ६५७ ८१ ८६	५७ ६८२ ८५ ०७	५७ ३२२ ६२ ०२	५७ ३१७ ८७ ५	५७ ३०९ ८९ २१	५७ १२९ ५ २१	५७ ७३३ ५८ १	५७ ७६१ ५५ ५१		५७ ७८९ २९ २५	५७ ७३३ २७ २५	५६ ३९६ ७ ७५

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	༠	༡༠	༢༠	༣༠	༤༠	༥༠	༦༠	༧༠	༨༠	༩༠	༡༠༠	༡༡༠	༡༢༠	༡༣༠	༡༤༠	༡༥༠	༡༦༠	༡༧༠	༡༨༠	༡༩༠	༢༠༠	༢༡༠	༢༢༠	༢༣༠	༢༤༠	༢༥༠	༢༦༠	༢༧༠
[illegible]	༩ ༡༥ ༥༨ ༢༧	༩ ༡༣ ༢༣ ༢༧	༩ ༢༠ ༣ ༢༢	༩ ༢༡ ༢༧ ༡༤	༩ ༢༢ ༤༤ ༨	༩ ༢༧ ༤༧ ༠	༩ ༢༤ ༧༦ ༠	༩ ༢༥ ༢ ༧	༩ ༢༥ ༥ ༤༡	༩ ༢༥ ༢ ༧༥	༩ ༢༤ ༢༧ ༤༩	༩ ༢༧ ༤༧ ༡༥	༩ ༢༢ ༤༢ ༣༣	༩ ༢༡ ༢༦ ༧༩	༩ ༣༠ ༤ ༣༤	༩ ༡༣ ༤༤ ༣༦	༩ ༡༧ ༧༥ ༥༡	༩ ༡༦ ༧༧ ༤	༩ ༡༧ ༡ ༣༦	༩ ༡༥ ༧༧ ༡༡	༩ ༡༥ ༤༤ ༣	༩ ༡༦ ༠ ༢༦	༩ ༡༦ ༣༠ ༢༦	༩ ༡༧ ༢༦ ༥༣	༩ ༡༨ ༣༢ ༡༡	༩ ༡༩ ༥༣ ༧	༩ ༢༡ ༢༥ ༢༨	༩ ༢༣ ༦ ༡༨
	༡༡ ༢༠	༡༠ ༠	༡༠ ༠	༣ ༢༠	༦ ༢༠	༦ ༢༠	༧ ༨༠	༧ ༤༠	༡ ༢༠	༢ ༠	༢ ༡༠	༤ ༢༠	༤ ༢༠	༦ ༢༠	༦ ༢༠	༦ ༢༠	༤ ༢༠	༤ ༢༠	༢ ༠	༡ ༢༠	༡ ༢༠	༣ ༨༠	༣ ༤༠	༦ ༢༠	༨ ༢༠	༨ ༢༠	༧ ༢༨	༩ ༢༨

༢༨༠	༢༩༠	༣༠༠	༣༡༠	༣༢༠	༣༣༠	༣༤༠	༣༥༠	༣༦༠	༣༧༠	༣༨༠	༣༩༠	[illegible]	༠	༡༠	༢༠	༣༠	༤༠	༥༠	༦༠	༧༠	༨༠	༩༠	༡༠༠	༡༡༠	༡༢༠	༡༣༠	༡༤༠	༡༥༠
༩ ༢༥ ༠ ༠	༩ ༢༦ ༥༢ ༧༧	༩ ༢༡ ༣ ༧༩	༡༠ ༡ ༡༧ ༤༦	༡༠ ༣ ༤༨ ༤༢	༡༠ ༥ ༥༧ ༥༥	༡༠ ༣ ༢༢ ༤༦	༡༠ ༡༠ ༤༧ ༧༧	༡༠ ༡༣ ༧ ༥	༡༠ ༡༥ ༢༢ ༧༧	༡༠ ༡༧ ༧༥ ༣	༡༡ ༡༩ ༤༡ ༤༣	[illegible]	༡༡ ༢༢ ༤༦ ༡༡	༡༡ ༡༧ ༢༢ ༤༤	༡༡ ༡༡ ༤༢ ༢	༡༡ ༩ ༡༡ ༥༡	༡༡ ༡༠ ༧༨ ༤	༡༡ ༡༥ ༤༣ ༥༣	༡༡ ༢༠ ༥༧ ༢༦	༡༡ ༢༩ ༥༨ ༥༢	༠ ༣ ༥༩ ༥༤	༠ ༡༩ ༣ ༣༥	༠ ༢༩ ༤༡ ༢༣	༡ ༡༡ ༢༦ ༢༧	༡ ༢༡ ༧༥ ༢༧	༢ ༣ ༦ ༥༥	༢ ༡༤ ༢༢ ༥	༢ ༢༥ ༤༥ ༤༨
༡༠ ༥༨	༡༢ ༦	༡༢ ༡༨	༢༣ ༧༢	༡༣ ༧༢	༡༣ ༧༢	༡༢ ༧༢	༡༣ ༦༨	༡༢ ༧༢	༡༢ ༤༢	༡༢ ༢༤	༡༡ ༤		༢༠ ༨	༤༠ ༤༨	༢༧ ༡༢	༧ ༡༢	༢༩ ༥༣	༢༩ ༥༣	༥༢ ༧༢	༥༢ ༡༤	༥༡ ༥༠	༦༣ ༧༥	༦༣ ༡༥	༦༦ ༡༢	༦༦ ༧༢	༦༦ ༡༤	༦༢ ༤༤	༦༢ ༨༤

༡༦༠	༡༧༠	༡༨༠	༡༩༠	༢༠༠	༢༡༠	༢༢༠	༢༣༠	༢༤༠	༢༥༠	༢༦༠	༢༧༠	༢༨༠	༢༩༠	༣༠༠	༣༡༠	༣༢༠	༣༣༠	༣༤༠	༣༥༠	༣༦༠	༣༧༠	༣༨༠	༣༩༠	[illegible]	༠	༩༠	༤༠	༦༠
༣ ༧ ༢༦ ༧༧	༧ ༡༩ ༡༦ ༤༡	༤ ༡ ༡༤ ༢༢	༤ ༡༣ ༢༡ ༠	༤ ༢༥ ༡༦ ༡༢	༥ ༧ ༤༤ ༥༧	༥ ༢༠ ༧ ༤༡	༦ ༢ ༢༣ ༧༢	༦ ༡༤ ༤༢ ༥༣	༦ ༢༧ ༧ ༢༥	༧ ༩ ༧༩ ༤༥	༧ ༢༢ ༣ ༤	༨ ༤ ༤༦ ༤	༨ ༡༥ ༤༦ ༠	༩ ༠ ༧ ༤༥	༩ ༡༢ ༥༡ ༡༣	༩ ༢༥ ༧༡ ༤༤	༡༡ ༣ ༣ ༥	༡༡ ༢༠ ༤༠ ༤༥	༡༡ ༣ ༥ ༢༣	༡༡ ༡༥ ༧༩ ༨	༡༡ ༢༧ ༥༤ ༢༤	༠ ༡༠ ༡༣ ༧༩	༠ ༢༢ ༣༣ ༤	[illegible]	༧ ༤ ༥ ༢༢ ༡ ༢༣	༧ ༣ ༢༣ ༧༢ ༣ ༤༨	༩ ༢ ༡༧ ༧༧ ༤ ༡༦	༧ ༡༠ ༥༢ ༢༦ ༥ ༢༣
༧༠ ༣	༧༡ ༢༠	༧༢ ༢༠	༧༢ ༢༠	༧༢ ༤༤	༧༤ ༣	༧༤ ༢༣	༧༤ ༨	༧༤ ༢	༧༥ ༤༡	༧༥ ༤༡	༧༥ ༤༡	༧༦ ༥༣	༧༧ ༡༧	༧༧ ༡༧	༧༧ ༡༧	༧༦ ༥༣	༧༥ ༧༥	༧༥ ༤༡	༧༥ ༤༡	༧༤ ༢༢	༧༤ ༨	༧༤ ༨	༧༤ ༨					

༨༠	༡༠༠	༡༢༠	༡༤༠	༡༦༠	༡༨༠	༢༠༠	༢༢༠	༢༤༠	༢༦༠	༢༨༠	༣༠༠	༣༢༠	༣༤༠	༣༦༠	༣༨༠	[illegible]	༠	༣༠	༦༠	༡༢༠	༡༥༠	༡༨༠	༢༡༠	༢༤༠	༢༧༠	༣༠༠	༣༣༠	༣༦༠
༦ ༢༩ ༨༢ ༡༧	༨ ༢༢ ༧༩ ༢༦	༦ ༢༨ ༡༧ ༨	༦ ༢༨ ༡༥ ༢༠	༨ ༢༨ ༥༥ ༡༨	༧ ༠ ༤ ༨	༧ ༠ ༥༠ ༢༢	༧ ༣ ༧༢ ༥༡	༧ ༥ ༦ ༤༦	༧ ༩ ༡༠ ༥༨	༧ ༡༠ ༡༧ ༧	༧ ༡༢ ༤ ༥༢	༧ ༡༣ ༧ ༥༠	༧ ༡༤ ༣ ༤༠	༧ ༡༤ ༤༧ ༡༥	༧ ༡༨ ༥༢ ༤༨	[illegible]	༠ ༢༧ ༡༥ ༢༧	༠ ༢༥ ༤ ༢༡	༠ ༢༩ ༢༩ ༡༥	༠ ༢༠ ༥༧ ༥༠	༠ ༡༩ ༡༣ ༢༧	༠ ༡༧ ༤༧ ༢	༠ ༡༦ ༧ ༧༦	༠ ༡༤ ༧༢ ༡༤	༠ ༡༢ ༥༦ ༥༠	༠ ༡༡ ༢༡ ༢༥	༠ ༩ ༤༦ ༡	༠ ༣ ༡༠ ༧༧
༤ ༡༦	༣ ༡༤	༡ ༢༢	༡ ༤༤	༢ ༥༦	༤ ༧༢	༥ ༢༠	༦ ༥༥	༧ ༤༧	༧ ༤༧	༦ ༧	༥ ༢༢	༤ ༧༠	༨ ༥༥	༠ ༧	༠ ༥༥		༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡	༣ ༡༡